

लातेहार में अंधविश्वास के खिलाफ छात्राओं ने ली शपथ



लातेहार : मुख्यमंत्री उत्कृष्ट कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, लातेहार में गुरुवार को डायन के नाम पर महिला उसीड़न : एक सामाजिक कलंक विषय पर जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें छात्राओं को डायन प्रथा के दुष्परिणामों, अंधविश्वास और महिलाओं के अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के अंत में छात्राओं ने डायन प्रथा के खिलाफ शपथ ली।

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. चंदन ने कहा कि डायन प्रथा मानवता पर कलंक है। समाज में डायन जैसी कोई चीज नहीं होती। किसी के बीमार पड़ने या किसी अनहोनी के पीछे वैज्ञानिक कारण होते हैं, न कि किसी महिला का जादू-टोना। उन्होंने कहा कि अंधविश्वास के कारण महिलाओं को प्रताड़ित करना गंभीर सामाजिक अपराध है। इस कुरीति को समाप्त करने के लिए लोगों की सोच बदलना जरूरी है। उन्होंने कहा कि राज्य में डायन प्रथा के खिलाफ कानून लागू है। किसी महिला को डायन बताकर प्रताड़ित करना, मारपीट करना या अपमानित करना दंडनीय अपराध है। उन्होंने छात्राओं से अपील की कि वे अपने परिवार और गांव में अंधविश्वास के खिलाफ जागरूकता फैलाएं। कहीं भी किसी महिला को डायन के नाम पर प्रताड़ित किए जाने की जानकारी मिले, तो इसकी सूचना मुखिया, पुलिस या जिला प्रशासन को दें। उन्होंने कहा कि शिक्षित और जागरूक समाज के निर्माण में छात्राओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। सभी को मिलकर ऐसा वातावरण तैयार करना चाहिए, जहां महिलाओं को सम्मान और सुरक्षा के साथ जीवन जीने का अवसर मिले। मौके पर विद्यालय की वार्डेन पंकी कुमारी, शिक्षक-शिक्षिकाएं तथा जिला जनसंपर्क विभाग के सूर्यनयन सिंह, राकेश कुमार मिश्रा, दीपक कुमार, मुर्शीद अंसारी और संतोष कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

झारखंड आंदोलनकारियों के आश्रितों को पेंशन मिलने की उम्मीद, सिल्ली-मुरी में खुशी की लहर

मुरी : सिल्ली-मुरी क्षेत्र के झारखंड आंदोलनकारियों और उनके परिजनों में पेंशन को लेकर खुशी का माहौल है। सरकार की ओर से जारी सूचना के बाद आंदोलनकारियों को पेंशन का लाभ मिलने की उम्मीद जगी है। छोटा मुरी के आंदोलनकारी दिनेश चौधरी और मोहम्मद इस्लाम ने पेंशन मिलने की उम्मीद जताते हुए खुशी जाहिर की है। हालांकि, क्षेत्र के कई आंदोलनकारियों के बीच इस बात को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है कि उनका नाम लाभार्थियों की सूची में शामिल है या नहीं। अब आंदोलनकारियों की सूची जारी होने और पेंशन का लाभ मिलने का इंतजार है। यह देखना होगा कि सरकार की ओर से जारी सूची में किन-किन आंदोलनकारियों और उनके आश्रितों के नाम शामिल किए जाते हैं।

सिल्ली कॉलेज जाने वाली सड़क पर जलजमाव, छात्रों और राहगीरों की बड़ी परेशानी



मुरी: सिल्ली कॉलेज जाने वाले रास्ते पर भारी जलजमाव होने से आम लोगों के साथ-साथ छात्र-छात्राओं को भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर पानी जमा होने के कारण लोगों को किनारे-किनारे होकर आवागमन करना पड़ रहा है। इससे दुर्घटना की आशंका भी बनी हुई है।

यह इलाका टुकड़ी पंचायत के अंतर्गत आता है। स्थानीय लोगों ने क्षेत्र के विधायक अमित महतो से लिए तत्काल आवश्यक कदम उठाने की मांग की है। लोगों की उम्मीद है कि जनप्रतिनिधि इस समस्या का जल्द समाधान करेंगे।

होटल फायरिंग की राहुल दुबे ने ली जिम्मेदारी, कोयला कारोबारियों और ट्रांसपोर्टर्स को दी धमकी

हजारीबाग: जिले के ओमपुरी स्थित एके इंटरनेशनल होटल पर हुई गोलीबारी की जिम्मेदारी कुख्यात अपराधी राहुल दुबे ने सोशल मीडिया पर प्रेस विज्ञप्ति जारी कर ली है। उसने घटना के पीछे अभय सिंह द्वारा उसके फोन कॉल और मैसेज को नजरअंदाज किए जाने की बात कही है। साथ ही अभय सिंह को उसके परिवार पर हमले की धमकी भी दी है। राहुल दुबे ने हजारीबाग के कोयला कारोबारियों और ट्रांसपोर्टर्स को भी चेतावनी दी है। उसने कहा है कि उससे संपर्क किए बिना कोई कारोबार नहीं करे। जारी विज्ञप्ति में उसने न्यू बिरसा साईडिंग में कथित अवैध कोयला उत्खनन का आरोप लगाते हुए कुछ लोगों के नाम भी लिए हैं। उसने पुलिस और प्रशासन से इन आरोपों की जांच कराने की मांग की है। होटल पर हुई गोलीबारी की जिम्मेदारी लेने और कारोबारियों को धमकी दिए जाने के बाद इलाके में इस मामले को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

अनुशासन, नियमित अध्ययन व मेहनत ही सफलता की कुंजी: दीपक बरकट्टा

बरकट्टा : प्रखंड अंतर्गत गंगपाचो स्थित डिवाइन पब्लिक स्कूल में कक्षा 10वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों को आगामी बोर्ड परीक्षा में बेहतर अंक प्राप्त करने तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए विशेष प्रेरणात्मक मार्गदर्शन दिया गया। इस अवसर पर कोचिंग एक्सपर्ट दीपक कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए मेहनत,अनुशासन,नियमित अध्ययन, समय प्रबंधन और आत्मविश्वास के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर योजनाबद्ध तरीके से पढ़ाई करने तथा परीक्षा की तैयारी में निरंतरता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

झारखंड

झारखंड में फार्मेसी परीक्षा और फार्मासिस्टों के निबंधन पर रोक, अगले आदेश तक सभी प्रक्रियाएं स्थगित

स्वास्थ्य विभाग ने स्टेट फार्मेसी काउंसिल को दिया निर्देश, हाईकोर्ट के फैसले तक नहीं होगी नई प्रक्रिया

संवाददाता
रांची : झारखंड सरकार ने डिप्लोमा-इन-फार्मेसी की परीक्षा और फार्मासिस्टों के निबंधन से जुड़ी सभी प्रक्रियाओं पर फिलहाल रोक लगा दी है। स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं

परिवार कल्याण विभाग ने झारखंड स्टेट फार्मेसी काउंसिल को अगले आदेश तक इन गतिविधियों को स्थगित रखने का निर्देश दिया है। विभाग के संयुक्त सचिव अनुज कुमार प्रसाद ने इस संबंध में काउंसिल के अध्यक्ष को औपचारिक पत्र भेजा है। पत्र में स्पष्ट किया गया है कि राज्य सरकार का अगला फैसला आने या झारखंड हाईकोर्ट से स्पष्ट दिशा-निर्देश प्राप्त होने तक परीक्षा और निबंधन से संबंधित कोई भी प्रक्रिया पूरी नहीं की जाएगी। सरकार के इस फैसले से राज्यभर में डिप्लोमा-इन-फार्मेसी की



परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों और निबंधन का इंतजार कर रहे अभ्यर्थियों पर असर पड़ेगा।

स्वास्थ्य विभाग ने परीक्षा समिति को भी निर्देश दिया है कि राज्य सरकार की पूर्व अनुमति के बिना

नीचे चौक की सड़क पर गहरा गड्ढा बना दुर्घटना का खतरा, मरम्मत की मांग

उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन, दीपावली से पहले मरम्मत कराने और बैरिकेडिंग लगाने की अपील

संवाददाता
खूंटी: शहर के नीचे चौक पर सड़क के बीचों-बीच बने बड़े और गहरे गड्ढे से दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। इस समस्या को लेकर विश्व हिंदू परिषद-बजरंग दल के जिला संयोजक कर्मवीर महतो ने उपायुक्त कार्यालय में ज्ञापन सौंपकर सड़क की अविलंब मरम्मत कराने की मांग की है। उन्होंने दीपावली से पहले गड्ढे को दुरुस्त कर आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की है। ज्ञापन में उन्होंने बताया कि नीचे चौक शहर का एक व्यस्त मार्ग है।

बोकारो-पुरुलिया मार्ग पर सड़क हादसा, एक की मौत

बोकारो: झारखंड-बंगाल सीमा को जोड़ने वाले व्यस्त बोकारो-पुरुलिया मार्ग (एनएच-32) पर शुक्रवार को दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। महतो मोड़ के समीप सिधाबनी पेट्रोल पंप के सामने चारपहिया वाहन और बाइक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। दुर्घटना में कई लोग घायल हो गए। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से सभी घायलों को तत्काल बोकारो स्थित बीजीयच मेमोरियल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। गंभीर रूप से घायल एक महिला को बेहतर उपचार के लिए बोकारो जनरल अस्पताल रेफर किया गया है। वहीं, हादसे में एक व्यक्ति की मौत होने की सूचना है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। बंगाल जा रहे थे वाहन सवार3 प्राप्त जानकारी के अनुसार, दुर्घटना का शिकार हुए लोग चोटीटांड क्षेत्र से चारपहिया वाहन पर सवार होकर बंगाल की ओर जा रहे थे।



यहां से प्रतिदिन भारी वाहनों समेत बड़ी संख्या में छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं। सड़क के बीचों-बीच गहरा गड्ढा होने के कारण वाहन चालकों को काफी परेशानी हो रही है। विशेषकर वाहनों के मुड़ने के दौरान दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। रात में पर्याप्त रोशनी नहीं होने के कारण गड्ढा दिखाई नहीं देता, जिससे खतरा और बढ़ जाता है। कर्मवीर महतो ने कहा कि दीपावली के दौरान बाजार में लोगों

और वाहनों की आवाजाही बढ़ेगी। ऐसे में समय रहते गड्ढे की मरम्मत नहीं कराई गई, तो कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है। उन्होंने प्रशासन से संबंधित विभाग को तत्काल निर्देश देकर सड़क की मरम्मत कराने की मांग की। साथ ही मरम्मत होने तक चेतावनी संकेतक लगाने और बैरिकेडिंग करने की अपील की। ज्ञापन सौंपने के दौरान अनुराज बरदियार, सुदान टूटी, सत्यम कुमार और कृष साहू उपस्थित थे।

झारखंड की लोककला को मिलेगा नया मंच, कलाकृति हाट का शुभारंभ

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने किया उद्घाटन, स्थानीय कलाकारों और शिल्पकारों को मिलेगा बाजार

संवाददाता
रांची: झारखंड की समृद्ध लोककला, पारंपरिक शिल्प और कलाकारों की प्रतिभा को नया मंच देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। रांची के डोरंडा स्थित काली मंदिर रोड के महावीर कॉम्प्लेक्स में गुरुवार को कलाकृति हाट का शुभारंभ केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री एवं रांची के सांसद संजय सेठ ने किया। कलाकृति हाट का उद्देश्य झारखंड के स्थानीय कलाकारों और शिल्पकारों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराना तथा उनकी कला और हस्तनिर्मित उत्पादों को व्यापक पहचान दिलाना है। यह



केंद्र राज्य की सांस्कृतिक विरासत और पौढ़ियों से चली आ रही कलात्मक परंपराओं को संरक्षित करने का भी प्रयास है। सोहराय और कोहबर कला के उत्पाद होंगे उपलब्ध: कलाकृति हाट में सोहराय, कोहबर सहित झारखंड की विभिन्न पारंपरिक लोककलाओं से प्रेरित चित्र, हस्तनिर्मित सजावटी वस्तुएं, कलात्मक परिधान, बैग और अन्य हस्तशिल्प उत्पाद उपलब्ध होंगे। इसके माध्यम से स्थानीय कलाकारों के हुनर को सम्मानजनक आजीविका से जोड़ने की पहल की गई है।

उद्घाटन समारोह में संजय सेठ ने कहा कि कलाकृति हाट जैसी पहल स्थानीय कलाकारों और शिल्पकारों को नई पहचान देने की दिशा में सराहनीय प्रयास है। हस्तनिर्मित वस्तुओं को अपनाना केवल खरीदारी नहीं, बल्कि कलाकारों के परिश्रम, रचनात्मकता और परंपरा का सम्मान करना है। उन्होंने विश्वास जताया कि ऐसी पहल पारंपरिक शिल्प के संरक्षण और लोकल फॉर लोकल अभियान को मजबूती प्रदान करेगी। कलाकृति हाट के संस्थापक धनंजय कुमार और रजनी कुमार

ने कहा कि झारखंड की पारंपरिक कला को उचित मंच उपलब्ध कराना और स्थानीय कलाकारों को व्यापक बाजार से जोड़ना इस पहल का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक हस्तनिर्मित वस्तु के पीछे कलाकार के संघर्ष, परिवार की परंपरा और स्थानीय संस्कृति की कहानी छिपी होती है। उनकी कोशिश है कि कलाकारों का हुनर उनकी पहचान, सम्मान और आजीविका का आधार बने। कलाकृति स्कूल ऑफ आर्ट्स के रजत जयंती वर्ष में नई पहल:

कलाकृति हाट की शुरूआत ऐसे समय में हुई है, जब कलाकृति स्कूल ऑफ आर्ट्स अपनी 25 वर्षों की रचनात्मक यात्रा का रजत जयंती वर्ष मना रहा है। वर्ष 2001 में शुरू हुई इस यात्रा के दौरान कला शिक्षा और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से अनेक विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर मिला है। इस नई पहल के जरिए कला को कक्षाओं और प्रदर्शनियों से आगे बढ़ाकर जनजीवन, बाजार और सांस्कृतिक पर्यटन से जोड़ने का प्रयास किया गया है।

काली पूजा में पीओपी और थर्मोकोल की मूर्तियों पर प्रतिबंध, मिट्टी की प्रतिमाओं की अनुमति

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने जारी किए संशोधित दिशा-निर्देश, पंडालों में सिंगल यूज प्लास्टिक पर भी रोक

संवाददाता
रांची : झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने काली पूजा को प्रदूषण मुक्त और पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए मूर्ति निर्माण, पूजा पंडालों और विसर्जन को लेकर संशोधित दिशा-निर्देश जारी किए हैं। बोर्ड ने प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी), थर्मोकोल और जहरीले रसायनों या रंगों से बनी मूर्तियों के निर्माण और स्थापना पर प्रतिबंध लगा दिया है।



और अजैविक कचरे के उचित निपटारे के लिए तीन-बिन सिस्टम यानी तीन अलग-अलग कूड़ेदान लगाने होंगे। भोग और प्रसाद वितरण के दौरान सिंगल यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल पर भी पूरी तरह रोक रहेगी। आयोजकों को प्लास्टिक के बर्तनों के स्थान पर धातु या कांच के बर्तनों का इस्तेमाल करना होगा। इसके अलावा, केले, साल और

बरगद के पत्तों से बने पत्तलों तथा पेय पदार्थों और प्रसाद के लिए मिट्टी के कुल्हड़ों के उपयोग को बढ़ावा दिया गया है। विसर्जन के लिए बनेंगे कृत्रिम तालाब: नदियों और झीलों की प्रदूषण से बचाने के लिए विसर्जन से पहले मूर्तियों से फूल, माला, वस्त्र और सजावटी सामग्री हटाना अनिवार्य होगा। इस सामग्री को अलग-अलग रंगों के निर्धारित

कूड़ेदानों में डालना होगा। विसर्जन स्थलों पर ठोस कचरा जलाने या फैलाने पर भी रोक लगाई गई है। स्थानीय निकाय नदियों और झीलों के किनारे मिट्टी की मेड़ बनाकर अस्थायी कृत्रिम तालाब यानी कंफाईड पॉन्ड तैयार करेंगे। मूर्तियों का विसर्जन इन्हीं निर्धारित संरचनाओं में किया जाएगा। विसर्जन के बाद अधिकारी पानी के रंग और उसके मैलापन की

जांच करेंगे। पानी में चूना मिलाकर शोधन करने के बाद ही साफ पानी को मुख्य जलस्रोत में छोड़ा जाएगा। स्थानीय निकायों की भी तय की गई जिम्मेदारी: बोर्ड ने शहरी स्थानीय निकायों को जलस्रोतों की गहराई और पानी की उपलब्धता के आधार पर मूर्तियों की अधिकतम ऊंचाई निर्धारित करने का निर्देश दिया है। प्रशासन केवल उन्हीं मूर्तियों को लाइसेंस जारी करेगा, जो प्राकृतिक मिट्टी का इस्तेमाल करेंगे। विसर्जन प्रक्रिया पूरी होने के 24 घंटे के भीतर नगर निकायों के विसर्जन स्थलों, झीलों और नदियों के किनारों से मूर्तियों के अवशेष और कचरा हटाना होगा। कचरे का निपटारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के तहत किया जाएगा।



झारखंड में जीआरपी के जर्जर भवनों की बदलेगी सूरत नए थाना और बैरक बनाने की तैयारी

23 रेल थानों, पांच ओपी और 10 पुलिस पोस्ट की सुविधाएं बेहतर करने की पहल

संवाददाता

रांची : झारखंड में रेल यात्रियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने वाली राजकीय रेल पुलिस (जीआरपी) के थाना, आउटपोस्ट (ओपी) और पुलिस पोस्ट (पीपी) की सूरत बदलने की तैयारी शुरू हो गई है। लंबे समय से जर्जर भवनों, हाजत, मालखाना और बैरक जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी से जुझ रही रेल पुलिस इकाइयों को बेहतर बनाने की दिशा में पहल की जा रही है। इसके तहत कहीं पुराने भवनों की मरम्मत होगी, तो कहीं नए थाना भवन और बैरक बनाए जाएंगे।

झारखंड में वर्तमान में 23 राजकीय रेल थाना, पांच रेल ओपी और 10 रेल पुलिस पोस्ट हैं। इन इकाइयों के माध्यम से रेलवे स्टेशनों और रेल परिसरों में होने वाले अपराधों की रोकथाम, यात्रियों की सुरक्षा, आपराधिक मामलों की जांच और कानून-



व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी निभाई जाती है। हालांकि, कई स्थानों पर रेल पुलिस के लिए उपलब्ध भवनों की स्थिति अच्छी नहीं है। कहीं पुराने और जर्जर भवनों में थाना संचालित हो रहे हैं, तो कहीं पुलिसकर्मियों के रहने और जरूरी सामान रखने के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं है।

कहीं पुराने भवनों की मरम्मत, तो कहीं होगा नया निर्माण: रेल पुलिस के जिन थाना, ओपी और पीपी भवनों की स्थिति जर्जर है, वहां मरम्मत और

जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में पहल की जा रही है। जिन स्थानों पर बैरक नहीं हैं, वहां इनके निर्माण के लिए प्रस्ताव भेजने की तैयारी है। वहीं, जिन स्थानों पर बैरक की स्थिति खराब है, उनके संबंध में संबंधित मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) को पत्र लिखकर जानकारी दी गई है।

कई स्थानों पर नए थाना भवनों का निर्माण भी किया गया है। अब जरूरत के अनुसार अन्य स्थानों पर भी नए भवन बनाने और पुराने भवनों की मरम्मत को दूर करने में मदद मिलेगी।

हाजत और मालखाना की

कमी भी बड़ी चुनौती: जीआरपी के कई थानों में बुनियादी सुविधाओं की कमी लंबे समय से चिंता का विषय बनी हुई है।हाजत की समुचित व्यवस्था नहीं होने से गिरफ्तार आरोपियों को सुरक्षित रखने में परेशानी होती है। वहीं, मालखाना की सुविधा नहीं होने से चोरी, लूट और अन्य आपराधिक मामलों में बरामद सामान को सुरक्षित रखना चुनौती बन जाता है। ऐसे में थाना भवनों के विकास के साथ हाजत और मालखाना जैसी जरूरी सुविधाओं को बेहतर बनाना भी आवश्यक है।

इसके अलावा पुलिसकर्मियों के लिए बैरक, शौचालय और अन्य आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता भी महत्वपूर्ण है। कई स्थानों पर पर्याप्त आवासीय व्यवस्था नहीं होने के कारण जवानों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। नए बैरक के निर्माण और पुराने बैरकों की मरम्मत से इस समस्या को दूर करने में मदद मिलेगी।

रेल मुख्यालय में हुई बैठक,

सुविधाएं बेहतर करने पर जोर:

रेल पुलिस की आधारभूत संरचना और बुनियादी सुविधाओं को लेकर झारखंड रेल मुख्यालय में बैठक आयोजित की गई। रेल डीजी अनिल पाल्टा के निर्देश पर हुई बैठक की अध्यक्षता आईजी माइकल राज एस ने की। बैठक में धनबाद रेल एसपी, जमशेदपुर रेल एसपी, डीएसपी और अन्य संबंधित अधिकारी शामिल हुए।

बैठक में रेल पुलिस के थाना भवनों, बैरक और अन्य जरूरी सुविधाओं की स्थिति पर चर्चा की गई। अमृत भारत योजना के तहत रेलवे स्टेशनों के विकास के साथ रेल पुलिस के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने पर भी जोर दिया गया।

हालांकि, सभी थाना, ओपी और पुलिस पोस्ट में होने वाले निर्माण कार्यों की अलग-अलग समयसीमा और बजट का विस्तृत ब्योरा अभी सामने आना बाकी है।

जीईएल चर्व केबिशप सीमांत तिकी का निघन मसीही समाज में शोक

रांची : जीईएल चर्व के बिशप ग्टट रेवरेंड सीमांत तिकी के आकस्मिक निधन से ईसाई समुदाय में शोक की लहर है। उनके निघन को कर्लीसिया और समाज के लिए अपूर्णीय क्षति माना जा रहा है।

बिशप को अंतिम विदाई देने के लिए गोस्पर थियोलॉजिकल कॉलेज परिसर में विशेष प्रार्थना सभा और शोक सभा आयोजित की जाएगी। इसमें कर्लीसिया के पादरी, धर्मगुरु, सदस्य और हजारों की संख्या में विश्वासी शामिल होकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इसके बाद दोपहर 12 बजे जीईएल चर्व कक्रिस्मान में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। ऑल चर्चेंज कमेटी के अध्यक्ष बिशप ग्टट रेवरेंड सीमांत संदीप तिकी के आकस्मिक निघन पर ऑल ईंडिया क्रिश्चियन माइनिस्ट्री प्रंट ने भी गह्र शोक व्यक्त किया है। प्रंट के गट्टीय कार्यकारी अध्यक्ष प्रवीण कच्छप ने कहा कि बिशप तिकी का जीवन प्रभु यीशु मसीह की शिक्षाओं, प्रेम, सेवा और मानवता के प्रति समर्पित रहा।

उन्के निघन से मसीही समाज ने एक आध्यात्मिक अगुा और मार्गदर्शक खो दिया है। समाज के प्रति उन्के योगदान को हमेशा याद किया जाएगा।

अहोई अष्टमी एक नवंबर को संतान की सुख-समृद्धि और दीर्घायु के लिए माताएं रखेंगी व्रत मातृशक्ति की अटूट आस्था, प्रेम और समर्पण का प्रतीक है अहोई अष्टमी : मनोज पांडेय

मेट्रो रेज

रांची: झारखंड ब्राह्मण महासभा के संयोजक मनोज कुमार पांडेय ने कहा कि भारतीय संस्कृति में मां और संतान का रिश्ता प्रेम, त्याग, समर्पण और अटूट विश्वास का प्रतीक है। इसी मातृभावना और संतान के कल्याण की मंगलकामना को समर्पित अहोई अष्टमी का पर्व माताओं की श्रद्धा, तपस्या और निःस्वार्थ प्रेम को अभिव्यक्त करता है।

उन्होंने बताया कि इस वर्ष अहोई अष्टमी का व्रत एक नवंबर, रविवार को मनाया जाएगा। यह पर्व कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन माताएं अपनी संतान की लंबी आयु, उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि और उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ व्रत रखती हैं।

परंपरागत रूप से यह व्रत पुत्रों के कल्याण के लिए किया जाता था, लेकिन वर्तमान समय में माताएं पुत्र-पुत्रियों सहित अपनी सभी संतानों के सुखमय जीवन के लिए यह व्रत करती हैं। यह पर्व मां के वास्तव्य और पारिवारिक संस्कारों की सुंदर अभिव्यक्ति है।

श्री पांडेय ने कहा कि अहोई अष्टमी के दिन महिलाएं सुबह स्नान कर व्रत का संकल्प लेती हैं। अनेक महिलाएं सूर्योदय से लेकर

तारों के दर्शन तक निजला व्रत रखती हैं। संध्याकाल में घर की दीवार पर गेरू से अहोई माता का चित्र बनाया जाता है अथवा उनके चित्र की स्थापना की जाती है। चित्र में स्नाहू और उसके बच्चों का भी चित्रण किया जाता है।

पूजा के दौरान रोली, चावल, पुष्प, दीपक, मिठाई और जल अर्पित किया जाता है। इसके बाद अहोई माता की व्रत कथा सुनी जाती है। तारों को अर्घ्य देने के बाद व्रत का पारण किया जाता है। विभिन्न क्षेत्रों में पूजा-विधि और पारण की परंपराओं में अंतर भी देखने को मिलता है।

लोककथा के अनुसार, एक साहूकार की पत्नी जंगल में मिट्टी खोदते समय अनजाने में स्नाहू के एक बच्चे को चोट पहुंचा देती है। इसके बाद उसके सातों पुत्रों पर संकट आ जाता है। पुत्र-वियोग से दुखी होकर वह अहोई माता की श्रद्धापूर्वक आराधना करती है। उसकी सच्ची भक्ति और पश्चाताप से प्रसन्न होकर माता उसे संतान सुख का आशीर्वाद देती हैं। तभी से अहोई माता की पूजा और व्रत की

झारखंड पहुंचे मशहूर रेसलर द ग्रेट खली रांची के मौसम और लोगों की तारीफ की बोकारो में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने आए रेसलर, एयरपोर्ट पर पत्रकारों से की बातचीत

रांची : दुनिया भर में मशहूर रेसलर द ग्रेट खली शुक्रवार को पहली बार झारखंड पहुंचे। रांची एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि वह बोकारो में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने आए हैं। इस दौरान उन्होंने झारखंड के सुहावने मौसम और यहां के लोगों की जमकर तारीफ की।

खली ने कहा कि झारखंड का यह उनका पहला दौरा है। यहां का मौसम बेहद सुहावना है और लोग भी काफी मिलनसार हैं अच्छे हैं। उन्होंने यहां आकर खुशी जाहिर की। उनके आगमन की खबर से रेसलिंग के प्रशंसकों में उत्सुकता देखने को मिली।

बोकारो के कार्यक्रम में होंगे शामिल: द ग्रेट खली ने रांची एयरपोर्ट पर बातचीत के दौरान बताया कि वह बोकारो में आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए झारखंड आए हैं। उन्होंने यहां का तावावरण और लोगों के व्यवहार की सराहना की। कौन हैं द ग्रेट खली?



द ग्रेट खली का असली नाम दलीप सिंह राणा है। उनका जन्म हिमाचल प्रदेश में हुआ था। पेशेवर रेसलिंग की दुनिया में उन्होंने द ग्रेट खली के नाम से पहचान बनाई। हहए की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, उनकी लंबाई सात फीट एक इंच है। वर्ष 2006 में उन्होंने डब्ल्यूडब्ल्यूई में पदार्पण किया और जल्द ही अपनी दमदार कद-काठी तथा रिंग में शानदार प्रदर्शन के कारण दुनिया भर में लोकप्रिय हो गए।

2007 में बने थे वर्ल्ड हैवीवेट चैंपियन: द ग्रेट खली के करियर

सवर्ण छात्रों के लिए छात्रावास और छात्रवृत्ति की मांग आर्थिक तंगी में खून बेचने को मजबूर होने का दावा

गरीब किसान परिवारों के छात्र कोचिंग की फीस जुटाने के लिए उठा रहे जोखिम भरे कदम, केंद्र और राज्य सरकार से व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग

मेट्रो रेज

रांची:

अखिल भारतीय सवर्ण मोर्चा के राष्ट्रीय सचिव सह झारखंड प्रभारी सुनील कुमार सिंह ने कहा है कि देश में सवर्ण (सामान्य वर्ग) के आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए छात्रावास और छात्रवृत्ति की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण कई छात्र गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। उनका दावा है कि नीट और एसएससी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे कुछ छात्र कोचिंग और अन्य शैक्षणिक खर्चों को पूरा करने के लिए अपना खून बेचने तक को मजबूर हो रहे हैं।

सुनील कुमार सिंह ने कहा कि इनमें अधिकांश छात्र ग्रामीण क्षेत्रों के बेहद गरीब किसान परिवारों से आते हैं। परिवार से पर्याप्त आर्थिक सहायता नहीं मिलने या बहुत कम



खर्च मिलने के कारण वे ऐसे जोखिम भरे कदम उठा रहे हैं, जो बेहद गंभीर चिंता का विषय है।

उन्होंने आरोप लगाया कि छात्रावासों में रहने वाले आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों की मजबूरी का फायदा उठाने के लिए दलाल सक्रिय हैं। ये दलाल कथित तौर पर फर्जी मेडिकल दस्तावेज तैयार कर अवैध रूप से रक्त का कारोबार करते हैं। सिंह के अनुसार, दलाल छात्रों से एक यूनिट खून 3,000 से 5,000 रुपये में

की सबसे बड़ी उपलब्धियों में वर्ष 2007 में वर्ल्ड हैवीवेट चैंपियन बनना शामिल है। 20 जुलाई 2007 को डब्ल्यूडब्ल्यूई स्मैकडाउन के 20-मैन बैटल रॉयल मुकाबले में उन्होंने जीत दर्ज कर यह खिताब अपने नाम किया था। इस उपलब्धि के साथ वह डब्ल्यूडब्ल्यूई में वर्ल्ड हैवीवेट चैंपियन बनने वाले पहले भारतीय बने। उन्होंने द अंडरटेकर, जॉन सीना, बतिस्ता और केन जैसे चर्चित रेसलर्स के साथ मुकाबले किए।

2021 में डब्ल्यूडब्ल्यूई हॉल ऑफ फेम में हुए शामिल: रेसलिंग में उनके योगदान और उपलब्धियों को देखते हुए वर्ष 2021 में उन्हें डब्ल्यूडब्ल्यूई हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया। रिंग के अलावा खली फिल्मों में भी नजर आ चुके हैं। उन्होंने 'द लॉनेस्ट गार्ड', 'गेट स्मार्ट' और 'मैकब्रूबर' जैसी फिल्मों में काम किया है। भारत लौटने के बाद उन्होंने नई पीढ़ी के रेसलर्स को प्रशिक्षण देने की दिशा में भी काम किया है।

सरकारी अस्पतालों में बदलेगा जांच का तरीका, अब डिजिटल पेपर पर मिलेगी एक्सरे से एमआरआई तक की रिपोर्ट

रांची के सदर अस्पताल समेत अनुमंडलीय अस्पतालों और सीएचसी में लागू होगी डाइकॉम इमेजिंग तकनीक, मरीजों को मिलेगी राहत

संवाददाता

रांची: सरकारी अस्पतालों में इलाज कराने वाले मरीजों को जलाज ही एक्सरे, सोनोग्राफी, सीटी स्कैन और एमआरआई की पारंपरिक काली प्लास्टिक फिल्मों से मुक्ति मिलने वाली है। स्वास्थ्य विभाग ने रांची जिले के सदर अस्पताल समेत सभी अनुमंडलीय अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में अत्याधुनिक डाइकॉम इमेजिंग तकनीक शुरू करने की तैयारी पूरी कर ली है।

नई व्यवस्था के तहत मरीजों को जांच रिपोर्ट उच्च गुणवत्ता वाले विशेष डिजिटल पेपर पर उपलब्ध कराई जाएगी। इससे सामान्य और आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को महंगे निजी डायग्नोस्टिक सेंटरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। साथ ही धुंधली रिपोर्ट की समस्या से भी राहत मिलेगी।



डिजिटल इमेजिंग व्यवस्था लागू होने से जांच प्रक्रिया में तेजी आएगी और गंभीर मरीजों का इलाज समय पर शुरू करने में मदद मिलेगी। सदर अस्पताल से लेकर दूरराज के ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों तक एक समान गुणवत्ता वाली जांच सुविधा उपलब्ध कराने की योजना है।

रिपोर्ट की गुणवत्ता और सटीकता में होगा सुधार: पारंपरिक एक्सरे फिल्मों में कई बार रेशानी की कमी या प्रिंटिंग की खराबी के कारण तस्वीरें धुंधली रह जाती थीं। इससे डॉक्टरों को मरीज की बीमारी की सटीक पहचान करने में परेशानी होती थी। नई डाइकॉम तकनीक से इस समस्या को दूर करने में मदद

मिलेगी।

इस व्यवस्था में एक्सरे और सोनोग्राफी की रिपोर्ट 210 जीएसएम के प्रीमियम पेपर पर प्रिंट की जाएगी। वहीं, सीटी स्कैन और एमआरआई जैसी जटिल जांचों की रिपोर्ट 240 जीएसएम के बड़े ए-3 आकार के पेपर पर उपलब्ध होगी। इससे डॉक्टरों को हड्डियों के बारीक फ्रैक्चर, फेफड़ों के संक्रमण और नसों से जुड़ी जटिल समस्याओं की पहचान करने में सहूलियत होगी।

रिपोर्ट होगी टिकाऊ, तुरंत मिलेगी उपलब्धता: पारंपरिक प्लास्टिक वाली एक्सरे फिल्में गर्मी, नमी और मुड़ने के कारण जल्दी खराब हो जाती थीं। इसके विपरीत, विशेष पेपर पर मिलने वाली डिजिटल रिपोर्ट को लंबे समय तक सुरक्षित रखा जा सकेगा। मरीज इसे अपनी सामान्य स्वास्थ्य फाइल में रख सकेगे और भविष्य में इलाज के दौरान डॉक्टरों

राष्ट्रीय एकता दिवस : सरदार पटेल के सपनों का भारत बनाने का संकल्प

31 अक्टूबर को लौह पुरुष की 151वीं जयंती पर देशभर में होंगे कई आयोजन

मेट्रो रेज

रांची: राष्ट्रीय एकता दिवस देश की एकता, अखंडता और आंतरिक सुरक्षा के प्रति संकल्प दोहराने का अवसर है। 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती के अवसर पर देशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

भारत की एकता और अखंडता को मजबूत बनाने में सरदार वल्लभभाई पटेल का योगदान ऐतिहासिक रहा है। आज़दी के समय देश में 560 से अधिक रियासतें थीं। सरदार पटेल ने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति, कुशल नेतृत्व और दूरदर्शिता से इन रियासतों को भारतीय संघ में शामिल कराने में अहम भूमिका निभाई। इसी योगदान के कारण उन्हें 'लौह पुरुष' के नाम से जाना जाता है।

एकता नगर में होगा मुख्य समारोह: राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर गुजरात के एकता नगर स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी परिसर में मुख्य समारोह आयोजित किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरदार पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे और एकता दिवस परेड का अवलोकन करेंगे। इस बार परेड का आयोजन शाम के समय किया जाएगा। इसमें सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ),



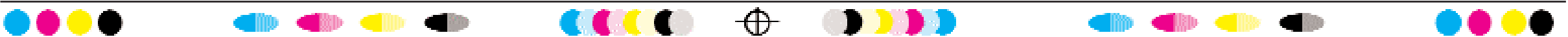
केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) और विभिन्न राज्यों के पुलिस बल के जवान हिस्सा लेंगे।

नक्सलवाद के खिलाफ संघर्ष को मिलेगा सम्मान: इस वर्ष के आयोजन में सशस्त्र नक्सलवाद के अंत और आंतरिक सुरक्षा पर विशेष जोर दिया गया है। नक्सल हिंसा से प्रभावित रहे जिलों के 5,000 से अधिक लोगों के समारोह में शामिल होने की बात कही गई है। परेड मार्ग पर प्रदर्शित सामग्री के माध्यम से विभिन्न सुरक्षा बलों की भूमिका और उनके योगदान को सामने लाया जाएगा। यह उन जवानों के साहस और बलिदान को सम्मान देने का अवसर भी होगा, जिन्होंने देश की सुरक्षा के लिए संघर्ष किया है।

दो हजार कलाकार देंगे सांस्कृतिक प्रस्तुति: राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय की ओर से दो हजार कलाकारों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने की योजना

है। इसमें लोक एवं शास्त्रीय नृत्य, एकता झांकी और सरदार पटेल के जीवन पर आधारित लाइट एंड साउंड शो शामिल होंगे। पहली बार झांकियों की रूपरेखा नागरिकों की भागीदारी से तैयार की गई है। देशभर में एकता दौड़, शपथ कार्यक्रम और अन्य गतिविधियां भी आयोजित की जाएंगी। एकता नगर में एक से 15 नवंबर तक भारत पर्व का आयोजन प्रस्तावित है।

एकता और अखंडता बनाए रखना हर नागरिक की जिम्मेदारी: राष्ट्रीय एकता दिवस केवल सरदार पटेल को याद करने का अवसर नहीं, बल्कि उनके आदर्शों को अपनाने का संकल्प भी है। भाषा, जाति, धर्म और क्षेत्र की विविधताओं के बावजूद भारत की एकता उसकी सेशसे बड़ी ताकत है। सरदार पटेल ने देश को एकजुट करने का ऐतिहासिक कार्य किया था। अब राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सद्भाव और सुरक्षा को मजबूत बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है।



सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

अरुणाचल में आमने-सामने आई भारत-चीन की सेनाएं

भारत और चीन के रिश्तों में हाल में सुधार के कई संकेत दिए गए, लेकिन अरुणाचल प्रदेश में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर दोनों देशों की सेनाओं का कुछ मौकों पर आमने-सामने आना इन प्रयासों पर सवाल खड़े करता है। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के महानिदेशक शत्रुजीत सिंह कपूर ने एक कार्यक्रम में बताया कि यह स्थिति अब भी कायम है। अरुणाचल के संदर्भ में पहली बार सार्वजनिक रूप से यह जानकारी सामने आई है।

सुलह के प्रयास: अरुणाचल प्रदेश पर चीन का एकतरफा दावा पुराना है। वह अपनी तरफ से इलाकों के नाम बदलने की चाल भी चलता रहता है। लेकिन, इस साल जुलाई में ऐसी खबरें आई थीं कि राज्य के ऊपरी सुबनसिरी जिले के ताक्सिंग क्षेत्र में भारतीय और चीनी सेनाएं आमने-सामने आ गई हैं। हालांकि तब इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई थी। अगस्त में ठरअ अजीत डोभाल सीमा विवाद को लेकर होने वाली बातचीत में हिस्सा लेने के लिए चीन गए, जबकि सितंबर में चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए भारत का दौरा किया।

भरोसे की कमी: जून 2020 में गलवान की झड़प के बाद दोनों देशों में जो दूरी आई थी, वह हालिया संवादों से थोड़ी कम हुई है। लेकिन, अरुणाचल जैसी घटनाएं भरोसे को कम करने वाली हैं। इसकी वजह से कूटनीतिक प्रयास कमजोर पड़ सकते हैं।

प्रोटोकॉल का पालन: दोनों देशों के बीच बातचीत का निर्धारित मैकेनिज्म है और मुद्दों को सुलझाने का पहले से तय प्रोटोकॉल। यह कोशिश होनी चाहिए कि मामला आगे न बढ़े। गलवान जैसा टकराव दोनों में से कोई पक्ष नहीं चाहेगा। उसके बाद बड़ी संख्या में सैनिकों की तैनाती करनी पड़ी थी और बात शुरू करने में फिर करीब 5 साल लग गए। अब भी दोनों तरफ के सैनिक पीस लोकेशन पर वापस नहीं आए हैं और इस बारे में लगातार बातचीत चल रही है।

अभी तो सर्दी शुरू भी नहीं हुई जहरीली हवा ने बढ़ाई टेंशन

सर्दियों ने अभी बस आहट ही दी है और देश के कई शहरों में हवा की गुणवत्ता बिगड़ने लगी है। यूपी के गाजियाबाद, ग्रेटर नोएडा, बागपत, बुलंदशहर, हरियाणा के गुरुग्राम, बहादुरगढ़, बल्लभगढ़ समेत कई शहरों में AQI 200 के ऊपर यानी खराब रहा। दिल्ली-एनसीआर में तो ग्रेडेड रिसॉन्स एक्शन प्लान (GRAP) का पहला चरण लागू करना पड़ा है।

अल-नीनो का असर: ठंड के मौसम में यह कहानी हर साल की है। आशंका है कि इस बार अल-नीनो की वजह से मुश्किल और बढ़ेगी। इसके चलते सर्दियों में बारिश कम होगी और तापमान ज्यादा रहेगा। इससे वायु प्रदूषण बढ़ सकता है। अभी वह पीक सीजन आना भी बाकी है, जब पराली जलाने की सबसे ज्यादा घटनाएं दर्ज होती हैं। पिछले साल बाढ़ की वजह से पंजाब में कम पराली जलाई गई थी, इस दफा आंकड़ा अभी से बढ़ा हुआ है। इसी तरह, दिवाली के आसपास भी हवा की गुणवत्ता बुरी तरह प्रभावित होती है।

दिल्ली की मुश्किल: दिल्ली की बात करें तो उसके लिए सर्दियों में सांस लेना भी मुश्किल हो जाता है। पिछले साल नवंबर में 24 दिनों तक एयर क्वालिटी इंडेक्स 300 के ऊपर रहा था और तीन दिन तो 400 के पार चला गया था यानी गंभीर। अबकी दिल्ली सरकार ने प्रदूषण नियंत्रण के लिए खास योजना बनाई है, जो GRAP से अलग है और एक नवंबर से लागू होगी। इसमें कंस्ट्रक्शन साइटों पर रोक, प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों पर पाबंदी जैसे कदम शामिल हैं। हालांकि ये उपाय तभी असर दिखा पाएंगे, जब इन पर सख्ती से अमल हो।

चीन का रास्ता: GRAP या दूसरे उपाय समस्या का स्थायी समाधान नहीं हैं। इनके जरिये कुछ वक्त तक और कुछ हद तक प्रदूषण पर नियंत्रण पाया जा सकता है। देश के शहरों और खासकर महानगरों को विस्तृत कार्ययोजना की जरूरत है। इस मामले में चीन का उदाहरण सामने है, जिसने अपने अपने बड़े शहरों को बहुत हद तक साफ बनाया है। 2013 से 2024 के दौरान चीन की राजधानी पेइचिंग में PM2.5 के सालाना औसत स्तर में 66% तक की गिरावट दर्ज की गई। चीन ने प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों पर सख्ती, सार्वजनिक परिवहन व इलेक्ट्रिक वीकल को बढ़ावा और कोयले पर निर्भरता घटाकर यह सफलता हासिल की है।

कड़ी निगरानी: दिल्ली में होने वाले प्रदूषण का एक सबक यह भी है कि अगर एक जगह उपाय किए जाते हैं, पर दूसरी जगह निगरानी कमजोर पड़ती है, तो पूरा फायदा नहीं मिलेगा। सबसे ज्यादा प्रदूषित शहरों के आसपास के इलाकों को भी एक्शन प्लान में शामिल करना होगा।

आईपीओ: पूँजी बाजार के विकास का आधार और निवेशकों के भरोसे की कसौटी

आईपीओ के बाद शेयरों का स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध होना निवेशकों को तरलता भी प्रदान करता है। निवेशक बाजार की परिस्थितियों और अपनी वित्तीय आवश्यकताओं के अनुसार शेयर खरीद या बेच सकते हैं। साथ ही, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड अर्थात सेबी के नियमों के अंतर्गत सार्वजनिक कंपनियों को वित्तीय परिणामों, महत्वपूर्ण घटनाओं और अन्य आवश्यक जानकारीयों का खुलासा करना पड़ता है।

भारत में पूँजी बाजार का विस्तार आर्थिक विकास, उद्यमशीलता और निवेश संस्कृति के बदलते स्वरूप का महत्वपूर्ण संकेतक है। पिछले कुछ वर्षों में शेयर बाजार के प्रति आम नागरिकों की रुचि बढ़ी है और कंपनियों ने अपनी व्यावसायिक आवश्यकताओं के लिए सार्वजनिक बाजार से पूँजी जुटाने का विकल्प अधिक अपनाया है। इसी प्रक्रिया में आरंभिक सार्वजनिक निर्गम यानी आईपीओ की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो गई है।

- डॉ. सत्यवान सौरभ

आईपीओ वह प्रक्रिया है जिसके माध्यम से कोई कंपनी पहली बार आम निवेशकों को अपने शेयर खरीदने का अवसर देती है। इससे कंपनियों को पूँजी प्राप्त होती है और निवेशकों को उनके विकास में भागीदार बनने का अवसर मिलता है। वित्त वर्ष 2025झ26 में भारत के मुख्य बोर्ड के आईपीओ के माध्यम से लगभग 1.77 लाख करोड़ रुपये जुटाए जाने का आँकड़ा पूँजी बाजार में बढ़ती गतिविधियों को रेखांकित करता है। हालाँकि, आईपीओ की सफलता का मूल्यांकन केवल जुटाई गई राशि से नहीं बल्कि उससे उत्पन्न होने वाले दीर्घकालिक आर्थिक लाभ और निवेशकों के हितों की सुरक्षा से भी किया जाना चाहिए। आईपीओ का सबसे प्रमुख योगदान पूँजी जुटाने की प्रक्रिया को व्यापक बनाना है। किसी कंपनी को अपने कारोबार का विस्तार करने, नई उत्पादन इकाइयाँ स्थापित करने, आधुनिक तकनीक अपनाने, अनुसंधान करने और नए बाजारों में प्रवेश करने के लिए दीर्घकालिक वित्तीय संसाधनों की आवश्यकता होती है। बैंक ऋण और अन्य वित्तीय साधनों के अतिरिक्त शेयर बाजार उसे इक्विटी पूँजी जुटाने का अवसर प्रदान

करता है। नई प्रतिभूतियों के निर्गम से प्राप्त धनराशि का उपयोग कंपनी अपनी व्यावसायिक योजनाओं के लिए कर सकती है। इससे ऋण पर निर्भरता कम करने और वित्तीय संरचना को मजबूत बनाने में भी सहायता मिल सकती है। जब कंपनियाँ उत्पादक गतिविधियों में पूँजी लगाती हैं तो इसका सकारात्मक प्रभाव उत्पादन, रोजगार और आर्थिक विकास पर पड़ सकता है। आईपीओ वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पहले शेयर बाजार में भागीदारी की प्रायः बड़े निवेशकों और संपन्न वर्ग तक सीमित माना जाता था लेकिन डिजिटल निवेश मंचों, ऑनलाइन आवेदन प्रक्रियाओं और व्यापक वित्तीय जागरूकता ने आम नागरिकों के लिए बाजार तक पहुँच आसान बनाई है। अब छोटे निवेशक भी अपनी बचत का एक हिस्सा कंपनियों में निवेश करने के विकल्प पर विचार कर सकते हैं। इससे बचत को उत्पादक निवेश में बदलने की संभावना बढ़ती है। फिर भी यह समझना आवश्यक है कि शेयर बाजार में भागीदारी अपने आप में वित्तीय समावेशन की पूर्ण उपलब्धि नहीं है। इसके लिए निवेशकों को वित्तीय ज्ञान, जोखिम की समझ और उचित निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करना भी जरूरी है।

पूँजी बाजार के विकास में आईपीओ का एक अन्य योगदान बाजार की गहराई और विविधता बढ़ाना है। जब अधिक कंपनियाँ सूचीबद्ध होती है तो निवेशकों के सामने विभिन्न क्षेत्रों, व्यावसायिक मॉडलों और विकास संभावनाओं वाले निवेश विकल्प उपलब्ध होते हैं। इससे बाजार में पूँजी का विरण अधिक व्यापक हो सकता है। छोटे और मध्यम उद्यमों के लिए एनएसई इमर्ज तथा बीएसई एसएमई जैसे मंच विशेष महत्त्व रखते हैं। इनके माध्यम से पात्र छोटे उद्यम सार्वजनिक निवेशकों तक पहुँच बना सकते हैं। ऐसे उद्यमों को विस्तार के लिए संसाधन मिलने से स्थानीय स्तर पर रोजगार, नवाचार और प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहन

न्यायपालिका की गरिमा व अनुशासन की लक्ष्मण रेखा

पहला सवाल यह है कि न्यायालय के भीतर पुलिस अधीक्षक अथवा किसी अन्य प्रशासनिक अधिकारी के बैठने की व्यवस्था किस नियम और परंपरा के अनुसार निर्धारित होती है? क्या अधिकारियों के लिए अलग से कुर्सी या निर्धारित स्थान की व्यवस्था है? क्या प्रथम पंक्ति में बैठने का कोई विशेष प्रोटोकॉल है? यदि ऐसी व्यवस्था है तो उसका स्पष्ट पालन होना चाहिए ताकि किसी प्रकार की गलतफहमी या अनावश्यक विवाद की स्थिति उत्पन्न न हो।

न्यायपालिका पर न्याय, निष्पक्षता और संवैधानिक अधिकारों के प्रति आम नागरिक का विश्वास टिका होता है। न्यायालय के भीतर अनुशासन, पद की मर्यादा और

परस्पर सम्मान का विशेष महत्व है लेकिन जब न्यायालय की कार्यवाही के दौरान किसी घटना को लेकर न्यायाधीश और अधिवक्ता के आचरण पर सवाल उठने लगता है तो यह केवल संबंधित व्यक्तियों तक सीमित विषय नहीं रह जाता बल्कि न्यायिक व्यवस्था की कार्य संस्कृति और संस्थागत गरिमा पर व्यापक बहस का कारण बन जाता है।

हाल ही में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्याय कक्ष संख्या-49 में न्यायमूर्ति अजय भनोट से संबंधित एक घटनाक्रम को लेकर अधिवक्ताओं

डॉ. अरविंद नाथ तिवारी

के बीच असंतोष की चर्चा सामने आई है। उपलब्ध विवरण के अनुसार, न्यायालय में एक जनपद के पुलिस अधीक्षक के प्रथम पंक्ति में बैठने और एक अधिवक्ता द्वारा उनसे पीछे बैठने का अनुरोध किए जाने के बाद विवाद उत्पन्न हुआ। बताया जाता है कि संबंधित अधिवक्ता के व्यवहार की शिकायत न्यायमूर्ति के समक्ष की गई। इसके बाद न्यायमूर्ति की प्रतिक्रिया, अधिवक्ता को जेल भेजने की कथित चेतावनी, पुलिस अधीक्षक से माफी मांगने के निर्देश और वरिष्ठ अधिवक्ता वी.पी. श्रीवास्तव के प्रति कथित टिप्पणी को लेकर अधिवक्ताओं ने आपत्ति जताई। इस घटनाक्रम के

विरोध में मुख्य न्यायाधीश के समक्ष शिकायत करने तथा न्यायालय की कार्यवाही के बहिष्कार का निर्णय लेने की बात भी सामने आई। हालांकि, इन घटनाओं के सभी पहलुओं की स्वतंत्र पुष्टि और संबंधित पक्षों का आधिकारिक पक्ष सामने आना आवश्यक है। किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले तथ्य, परिस्थितियाँ और लागू न्यायिक नियमों की निष्पक्ष समीक्षा होनी चाहिए। फिर भी यह घटना कुछ बुनियादी सवाल खड़ा करता है, जिस पर गंभीरता से विचार होना चाहिए।

पहला सवाल यह है कि न्यायालय के भीतर पुलिस अधीक्षक अथवा किसी अन्य प्रशासनिक अधिकारी के बैठने की व्यवस्था किस नियम और परंपरा के अनुसार निर्धारित होती है? क्या अधिकारियों के लिए अलग से कुर्सी या निर्धारित स्थान की व्यवस्था है? क्या प्रथम पंक्ति में बैठने का कोई विशेष प्रोटोकॉल है? यदि ऐसी व्यवस्था है तो उसका स्पष्ट पालन होना चाहिए ताकि किसी प्रकार की गलतफहमी या अनावश्यक विवाद की स्थिति उत्पन्न न हो। न्यायालय में उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति की अपनी भूमिका और गरिमा होती है। न्यायाधीश न्यायिक कार्यवाही का संचालन करते हैं, अधिवक्ता पक्षकारों का प्रतिनिधित्व करते हैं और पुलिस तथा प्रशासनिक अधिकारी कानून के क्रियान्वयन एवं न्यायिक प्रक्रिया में आवश्यक सहाय्य प्रदान करते हैं। किसी अधिकारी का प्रशासनिक पद उसे न्यायालय में अधिवक्ताओं से ऊपर कोई विशेष न्यायिक अधिकार नहीं देता। उसी प्रकार अधिवक्ता होने का अर्थ भी यह नहीं

है कि वह न्यायालय के निर्धारित अनुशासन की उपेक्षा कर सकता है। इसलिए बैठने की व्यवस्था को प्रतिष्ठा अथवा पद की प्रतिस्पर्धा बनाने के बजाय स्पष्ट नियमों और समान रूप से लागू होने वाली परंपराओं के आधार पर संचालित किया जाना चाहिए।

न्यायाधीश को न्यायालय की गरिमा बनाए रखने, अनुशासन कायम करने और न्यायिक कार्यवाही में बाधा डालने वाले व्यवहार पर विधिसम्मत कार्रवाई का अधिकार प्राप्त है। न्यायालय की अवमानना से संबंधित कानून भी न्यायिक संस्थाओं की प्रतिष्ठा और कार्यप्रणाली की रक्षा के लिए मौजूद है लेकिन अधिकारों का प्रयोग करते समय संयम, निष्पक्षता और परिस्थितियों के अनुरूप प्रतिक्रिया उतनी ही महत्वपूर्ण है। न्यायालय में कोई अनुचित व्यवहार होता है तो उसकी प्रकृति, उद्देश्य और प्रभाव को समझकर कानून के अनुरूप कदम उठाना चाहिए। यदि किसी अधिवक्ता ने अनुचित भाषा का प्रयोग किया है तो उसे उचित प्रक्रिया के तहत समझाया जा सकता है या आवश्यक कार्रवाई की जा सकती है। लेकिन यदि किसी अधिवक्ता को तत्काल जेल भेजने की चेतावनी दिये जाने अथवा माफी मांगने के लिए बाध्य किये जाने संबंधी आरोप सही पाये जाते हैं तो उन पर संस्थागत स्तर पर निष्पक्ष समीक्षा आवश्यक होगी। न्यायाधीश का पद जितना अधिकारपूर्ण है, उतना ही उत्तरदायित्वपूर्ण भी। न्यायिक व्यवस्था में न्यायाधीश और अधिवक्ता एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी नहीं बल्कि न्याय प्रदान करने की प्रक्रिया के दो महत्वपूर्ण अंग हैं।

भगवान गणेश का स्त्री स्वरूप हैं देवी विनायकी इस वजह से प्रकट हुआ था यह दित्य रूप

हिंदू धर्म में गणेश भगवान को प्रथम पूज्य देवता माना जाता है। वहीं किसी भी शुभ व मांगलिक कार्य की शुरूआत से पहले भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की जाती है। भगवान गणेश को विघ्नहर्ता, बुद्धि, समृद्धि और शुभता का देवता माना जाता है। धार्मिक ग्रंथों में भगवान गणेश के कई स्वरूपों का वर्णन मिलता है। ऐसा ही एक अनोखा स्वरूप देवी विनायकी का है। जिनको भगवान गणेश का स्त्री स्वरूप माना जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको देवी विनायकी से जुड़ी कुछ खास बातों के बारे में बताते जा रहे हैं और साथ ही यह भी जानेंगे कि श्री गणेश के इस स्‍वरूप की प्रतिमाएं और चित्र कहाँ-कहाँ पाए जाते हैं।

इन नामों से जानी जाती हैं देवी विनायकी : अलग-अलग स्थानों पर भगवान गणेश के इस स्त्री स्वरूप को



अलग-अलग नामों से जाना जाता है।

इनको विनायकी, गणेश्वरी, गणेशानी, गजाननी जैसे नामों से भी जाना जाता है। वहीं देवी विनायकी का स्वरूप देखने में भगवान गणेश से मिलता है। लेकिन इनका स्वरूप स्त्री का होता है।

इनको गणेश और शक्ति का मिलाजुला स्वरूप माना जाता है। वहीं भारत के कुछ प्राचीन मंदिरों में देवी के इस अनोखे

स्वरूप की प्रतिमाएं भी हैं।

राजस्थान से लेकर दक्षिण भारत तक हैं प्रमाण : राजस्थान के खेड़ में देवी विनायकी की प्राचीन मूर्ति को काफी पुराना माना जाता है। वहीं ओडिशा के होंरापुर में 64 योगिनी मंदिर में भी आपको देवी विनायकी का स्वरूप देखने को मिलता है। यह मंदिर अपनी प्राचीन योगिनी सिद्धियों के लिए जाना जाता है। इसके अलावा दक्षिण भारत में देवी

विनायकी की पूजा-अर्चना होती है। तमिलनाडु के कन्याकुमारी क्षेत्र में स्थित थानुमालयन मंदिर में देवी विनायकी का प्राचीन रूप है। यह मंदिर करीब 1300 साल पुराना बताया जाता है।

देवी विनायकी की पौराणिक कथा : पौराणिक कथा में अंधक नामक राक्षस का वर्णन मिलता है। धार्मिक मान्यता के मुताबिक अंधक मां पार्वती को अपनी पत्नी बनाना चाहता था। मां पार्वती की रक्षा के लिए महादेव ने अंधक राक्षस पर प्रहार किया। लेकिन जब अंधक की रक्त की बूँद धरती पर गिरती थीं, तो उनसे नए राक्षस उत्पन्न होने लगते थे। जिससे अंधक की शक्ति बढ़ती जा रही थी। इस स्थिति को देखते हुए देवी-देवताओं ने अपनी शक्तियों का आह्वान किया।

कैसे प्रकट हुआ विनायकी स्वरूप : बता दें कि देवी-देवताओं की शक्तियों से तमाम मातृ शक्तियां प्रकट हुईं। जिसके बाद महादेव ने अंधक से युद्ध किया और गणपति ने भी अपने

मातृ शक्ति स्वरूप में अंधक का सामना किया। पौराणिक कथा में बताया जाता है गणपति ने अंधक का वध किया और उसके रक्त की बूँदों को धरती पर गिरने से रोक दिया। इसी के बाद से देवी विनायकी का स्वरूप लोकप्रिय हुआ। उनको भगवान गणेश की स्त्री शक्ति या स्त्री का स्वरूप माना जाता है। यही कारण है कि कुछ स्थानों पर विशेष रूप से देवी विनायकी को पूजा होती है।

देवी विनायकी का स्वरूप

देवी विनायकी की प्रतिमा में भगवान गणेश से मिलते-जुलते कई प्रतीक दिखाई देते हैं। हाथों के मुख और स्त्री के शरीर की वजह से यह स्वरूप बेहद अनोखा माना जाता है। देवी विनायक से जुड़ी मान्यताएं भारत की प्राचीन धार्मिक और शाक्त परंपराओं की विविधता को दिखाता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वातधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक :** लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवारों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in **email :** metrorays.ranchi@gmail.com

मंदिर की घंटी चोरी मामले में दो आरोपित गिरफ्तार,भेजा गया जेल

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के झरना कॉलोनी स्थित दुर्गा मंदिर के पास घंटी चोरी के मामले में पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। दोनों की पहचान छोटू और बादल के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों को कांड संख्या 210/26 के आलोक में गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार, दुर्गा मंदिर के पास घंटी चोरी करने के प्रयास के दौरान स्थानीय लोगों की नजर दोनों पर पड़ गई। इसके बाद लोगों ने उन्हें पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। सूचना मिलने पर जिरवाबाड़ी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को अपने साथ थाने ले गई।पुलिस के अनुसार, छोटू और बादल यहां रहकर चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। मामले में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

झामुमो बोरियो प्रखंड कमेटी की बैठक में संगठन मजबूती पर जोर



साहिबगंज : झारखंड मुक्ति मोर्चा झामुमो की बोरियो प्रखंड कमेटी की बैठक मोरंग नदी के समीप आयोजित की गई।बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष स्टीफन मुर्मु ने की।बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में झामुमो के जिला अध्यक्ष अरुण सिंह,जिला उपाध्यक्ष संजीव शामू हेंब्रम तथा केंद्रीय समिति सदस्य संजय मिश्रा शामिल हुए।इस दौरान पार्टी संगठन की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करने के साथ मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य का भी आकलन किया गया।बैठक में जिला अध्यक्ष अरुण सिंह ने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी ली।साथ ही एस आईआर प्रक्रिया के तहत अब तक किए गए कार्यों की समीक्षा की गई।उन्होंने संबंधित कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि मतदाता सूची में जिन पात्र मतदाताओं के नाम अभी तक नहीं जुड़ पाए हैं,उन्हें जल्द से जल्द निर्धारित प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए आवश्यक पहल करें।उन्होंने इस कार्य को गंभीरता से लेते हुए आपसी समन्वय के साथ जिम्मेदारी निभाने पर जोर दिया।

केंद्रीय समिति सदस्य संजय मिश्रा ने कहा कि झामुमो संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से प्रत्येक प्रखंड में बैठकें आयोजित की जा रही हैं।इन बैठकों के माध्यम से पंचायत स्तर के कार्यकर्ताओं से लेकर बूथ स्तर तक के कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद स्थापित किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार करना और उन्हें संगठनात्मक जिम्मेदारियों के प्रति सक्रिय बनाना इन बैठकों का मुख्य उद्देश्य है।उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी से ही संगठन को मजबूती मिलती है। पार्टी का प्रयास है कि प्रत्येक पंचायत और बूथ स्तर पर संगठनात्मक गतिविधियों को तेज किया जाए, ताकि झारखंड मुक्ति मोर्चा का परिवार और अधिक मजबूत हो सके। बैठक में जिला कार्यकारिणी सदस्य रिजवान अंसारी,प्रखंड सचिव गफ्फार अंसारी,प्रखंड उपाध्यक्ष मंडल मरांडी,प्रखंड कोषाध्यक्ष निताय मंडल,पूर्व प्रखंड अध्यक्ष जेठा मरांडी, जिला सोशल मीडिया सदस्य मो.एजाज अंसारी,सुरेश मरांडी,रमेश मुर्मु, मिट्टू कुमार दत्ता,मुखिया गोलमा मानवेल,अर्जुन रजक,लक्ष्मण बेसरा,मुमताज अंसारी और वकील अंसारी समेत बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।बैठक में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने,कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा रक्तम प्रक्रिया के तहत छूटे पात्र मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल कराने पर विशेष जोर दिया गया।

बेलवा छठ घाट पूजा समिति के अध्यक्ष बने दिलीप सोनी

बरकट्टा : प्रखंड के प्रसिद्ध बेलवा नदी छठ घाट पर छठ पूजा के आयोजन को लेकर सार्वजनिक छठ पूजा समिति का गठन किया गया। इसे लेकर अवेडकर क्लब बरकट्टा में पूर्व मुखिया बसंत साव की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक का संचालन अशोक गुप्ता ने किया। इसमें पिछले वर्ष छठ पूजा के सफल आयोजन के लिए पूर्व अध्यक्ष राहुल गुप्ता और उनकी टीम के योगदान की सराहना की गई। इस वर्ष समिति के गठन में युवा वर्ग को प्राथमिकता देते हुए अनुभवी सदस्यों को भी जिम्मेदारी सौंपी गई।वहीं सर्वसम्मति से दिलीप सोनी को अध्यक्ष, संजीत सोनी को उपाध्यक्ष,धीरज गुप्ता को कोषाध्यक्ष, संतोष साहनी को सचिव,मनोज कुमार मोदी को उपसचिव और गुड्डू गुप्ता को उप कोषाध्यक्ष बनाया गया। समिति की ओर से छठ महाव्रत पर घाट और छठ मार्ग की साफ-सफाई, भव्य लाइटिंग,लाउडस्पीकर, प्रवेश द्वार और सजावट की व्यवस्था करने की योजना बनाई गई। इसके अलावा भव्य गंगा अरती और महाप्रसाद वितरण कराने पर भी विचार किया गया। संरक्षक मंडली में पूर्व मुखिया बसंत साव, अजीत यादव, सुनील श्रीवास्तव, अशोक गुप्ता, संजय गुप्ता, बिंदु सोनी, रामेश्वर यादव, पंकज मोदी, उमेश मोदी, अनिल वर्णवाल, संजय सोनी, अनूप गुप्ता, अशोक कुमार, राजन विश्वकर्मा, कुंदन सोनी और मनोज विश्वकर्मा को शामिल किया गया। वहीं प्रदीप सिंह की अगुवाई में कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया। इसमें विनोद सोनी, पप्पू दास, किशोर दास, सुनील साहनी, सुमन धीरा, सचिन, बिट्टू मोदी, मोनू विश्वकर्मा, चिंटू विश्वकर्मा, गुणज विश्वकर्मा, कंचन विश्वकर्मा, विकास विश्वकर्मा, राहुल, गुड्डा, शेरा, कुंदन, मुकेश और मोनू मंडल समेत अन्य सदस्य शामिल हैं। सहयोग राशि संग्रह करने के लिए सूरज मोदी की अध्यक्षता में 21 युवकों की टीम गठित की गई। बैठक में छठ बड़ी संख्या में युवा उपस्थित थे।

जंगली हाथियों का उत्पात, वन विभाग की टीम सुरक्षा को लेकर सतर्क

बरकट्टा : केंदुआ क्षेत्र में जंगली हाथियों का झुंड देखने गए लोगों को लापरवाही भरी पड़ गई। जाकारी के अनुसार, कुछ लोग सड़क पर अपनी बाइक खड़ी कर जंगल की ओर जंगली हाथियों को देखने चले गए। इसी दौरान अचानक हाथियों का झुंड सड़क पर पहुंच गया और वहां खड़ी बाइकों पर हमला कर दिया। घटना से क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।घटना के बाद लोगों से अपील की जा रही है कि जंगली हाथियों को देखने के लिए उनके नजदीक जाने या सड़क पर वाहन खड़ा कर जंगल की ओर जाने जैसी लापरवाही बिल्कुल न करें। जंगली हाथी कभी भी आक्रामक हो सकते हैं, जिससे जान-माल का नुकसान होने की आशंका रहती है।वहीं, वन विभाग की टीम क्षेत्र में स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

मुक्तेश्वर धाम सीढ़ी घाट पर कार्तिक स्नान को लेकर महिलाओं में दिखा उत्साह

ब्रह्म मुहूर्त में उत्तरवाहिनी गंगा में स्नान कर महिलाएं कर रही हैं पूजा-अर्चना

तुलसी पूजन कर सुनी कार्तिक मास की कथा

संवाददाता
साहिबगंज : कार्तिक मास के चौथे दिन शुक्रवार को मुक्तेश्वर धाम स्थित उत्तरवाहिनी गंगा के सीढ़ी घाट पर कार्तिक स्नान और

महादेवगंज में पुलिस की बड़ी कार्रवाई

चार देसी कट्टा व बंदूक के साथ एक गिरफ्तार

हथियारों की खरीद-बिक्री की सूचना पर आधी रात छापेमारी एक जिंदा गोली और खोखा भी बरामद

संवाददाता
साहिबगंज : अपराधी भले ही पुलिस से बचने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपनाएं, लेकिन पुलिस भी अपराधियों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए सतर्क है। इसी का उदाहरण मुफरिसल थाना क्षेत्र के महादेवगंज मुस्लिम टोला में देखने को मिला, जहां गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने छापेमारी कर चार देशी कट्टा, एक देशी बंदूक, एक जिंदा गोली और एक खोखा बरामद किया। मौके से मो. राजा को गिरफ्तार किया गया है।पुलिस के अनुसार, 29 अक्टूबर की रात करीब एक बजे पुलिस अधीक्षक को सूचना मिली कि महादेवगंज

मुस्लिम टोला निवासी मो. राजा, पिता शेख रफिक, अवैध हथियारों की खरीद-बिक्री करता है। सूचना यह भी थी कि वह बिक्री के उद्देश्य से कई हथियार लेकर आया है। इसके बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर नगर प्रभाग के पुलिस निरीक्षक अमित कुमार गुप्ता के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया।छापेमारी दल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मो. राजा के घर पर पहुंचकर तलाशी ली। पूछताछ के दौरान उसने कथित तौर पर अवैध हथियारों की खरीद-बिक्री करने की बात स्वीकार की। पुलिस के मुताबिक, उसने हथियार मिहौर महतो, निवासी खुर्पीट चपरी, थाना ठाकुरगंगटी, जिला गोड्डा से खरीदकर लाने की बात बताई। इसके बाद उसके घर से चार देशी कट्टा, एक देशी बंदूक, एक जिंदा गोली और एक खोखा बरामद किया गया। पुलिस ने सभी सामान जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की सतर्कता से सामने आया मामला

हथियारों की बरामदगी को पुलिस की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है। गुप्त सूचना मिलते ही छापेमारी दल का गठन कर कार्रवाई की गई। इस तरह की कार्रवाई से अवैध हथियारों के कारोबार पर अंकुश लगाने और संभावित आपराधिक घटनाओं को रोकने में मदद मिल सकती है। स्थानीय स्तर पर भी पुलिस की कार्रवाई की सराहना की जा रही है।इस मामले में मुफरिसल थाना कांड संख्या 129/26, दिनांक 29 अक्टूबर 2026 के तहत आर्स एक्ट की धारा 25(1-बी)/26/35 में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है

छापेमारी दल में पुलिस निरीक्षक अमित कुमार गुप्ता, मुफरिसल थाना प्रभारी पु.अ.नि. अनिश कुमार पांडेय, पु.अ.नि. विक्रम कुमार, स.अ.नि. रविंद्र कुमार सिंह, स.अ.नि. केशव मालाकार, आरक्षी मिथिलेश कुमार और आरक्षी रामस्वरूप प्रसाद शामिल थे।

अपराधियों की खैर नहीं! पुलिस से भागने की कोशिश नाकाम देशी कट्टा के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता
साहिबगंज : जिले में अपराध नियंत्रण को लेकर पुलिस की सक्रियता के बीच मुफरिसल थाना पुलिस ने महादेवगंज में देर रात कार्रवाई करते हुए देशी कट्टा के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को देखकर भागने की कोशिश कर रहे दोनों युवकों को गश्ती दल से दौड़ाकर पकड़ लिया। तलाशी के दौरान एक युवक के पास से देशी कट्टा बरामद हुआ। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 28 अक्टूबर की रात करीब 11:20 बजे विशेष रात्रि गश्ती के दौरान पुलिस टीम महादेवगंज स्थित डीबीएल पुल मोड़ के पास पहुंची। इसी दौरान पुल की ओर से महादेवगंज मुस्लिम टोला मोड़ की तरफ पैदल जा रहे दो व्यक्ति सदिग्ध स्थिति में

दिखाई दिए। पुलिस ने दोनों को रोकने का प्रयास किया तो वे भागने लगे। इसके बाद गश्ती दल ने पीछा कर दोनों को पकड़ लिया।पूछताछ में उनकी पहचान महादेवगंज के पीर बाबा गोढ़ी टोला निवासी प्रकाश कुमार, पिता चंदन सिंह और कृष्णा कुमार, पिता पप्पू सिंह के रूप में हुई। तलाशी के दौरान कृष्णा कुमार के पास से एक देशी कट्टा और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया, जबकि प्रकाश कुमार के पास से भी एक मोबाइल फोन मिला। हथियार संबंधित कागजात मांगे जाने पर कोई कागजात प्रस्तुत नहीं किया गया। इसके बाद पुलिस ने देशी कट्टा और दोनों मोबाइल फोन जब्त कर लिए।इस मामले में मुफरिसल थाना कांड संख्या 128/26, दिनांक 29 अक्टूबर 2026 के तहत आर्स एक्ट की धारा 25(1-बी)ए तथा 26 के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की

गई है। पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

पुलिस ने कार्रवाई के दौरान एक लोहे का देशी कट्टा जब्त किया। उसकी बैरल की लंबाई करीब 13.2 सेंटीमीटर और बट की लंबाई करीब सात सेंटीमीटर बताई गई है। बैरल और बट पर मौली धागा बंधा हुआ था। इसके अलावा रेडमी कंपनी का नीले रंग का और ओपो कंपनी का बैंगनी रंग का एक-एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन भी बरामद किया गया।

थाना प्रभारी के नेतृत्व में हुई कार्रवाई छापेमारी एवं गिरफ्तारी अभियान में मुफरिसल थाना प्रभारी पु॰अ॰नि॰ अनिश कुमार पाण्डेय, पु॰अ॰नि॰ विक्रम कुमार, स॰अ॰नि॰ रविंद्र कुमार सिंह, स॰अ॰नि॰ केशव मालाकार, आरक्षी मिथिलेश कुमार और आरक्षी रामस्वरूप प्रसाद शामिल थे।

आठ महीने से मानदेय का इंतजार, त्योहारों पर भी खाली हाथ कर्मचारी

टाउन हॉल पुस्तकालय के कर्मियों की आर्थिक मुश्किलें बढ़ीं, उपायुक्त से लगाई गुहार-डीईओ बोले उपस्थिति विवरणी मिलने पर होगी कार्रवाई

संवाददाता
साहिबगंज : त्योहारों का मौसम है, लेकिन साहिबगंज के टाउन हॉल स्थित अनुमंडलीय पुस्तकालय में काम करने वाले कर्मचारियों के घरों में आर्थिक तंगी का संकट गहराता जा रहा है। पिछले आठ महीने से मानदेय नहीं मिलने के कारण कर्मचारियों के सामने परिवार का खर्च चलाना मुश्किल हो गया

है।दुर्गापूजा बीत गई और अब दीपावली व छठ महापर्व की तैयारियों के बीच भी उन्हें अपने बकाया भुगतान का इंतजार है। पेशान कर्मचारियों ने जिला प्रशासन और उपायुक्त से जल्द मानदेय भुगतान कराने की गुहार लगाई है।पुस्तकालय अध्यक्ष संजय कुमार तिवारी ने बताया कि पुस्तकालय में कार्यरत कर्मचारियों को पिछले आठ महीने से मानदेय नहीं मिला है।इसके कारण घर-परिवार की जरूरतों को पूरा करने में काफी परेशानी हो रही है।उन्होंने यह भी बताया कि पिछले करीब 20 दिनों से जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) कार्यालय में उपस्थिति विवरणी पर हस्ताक्षर नहीं होने के कारण भुगतान की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पा रही है।

विद्यार्थियों की पढ़ाई की जिम्मेदारी निभा रहे कर्मचारी



पुस्तकालय में बड़ी संख्या में विद्यार्थी पढ़ाई करने और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए पहुंचते हैं।पुस्तकालय की व्यवस्था बनाए रखने में कर्मचारियों की अहम भूमिका है।यहां पुस्तकालय अध्यक्ष संजय

कुमार तिवारी के अलावा सॉल्टर अमित कुमार ठाकुर,रात्रि प्रहरी संदू कुमार और अनुसेवक शिवलाल राम अपनी जिम्मेदारियां निभा रहे हैं।कर्मचारियों का कहना है कि वे नियमित रूप से अपनी सेवाएं

दे रहे हैं,लेकिन लंबे समय से मानदेय नहीं मिलने के कारण उनकी आर्थिक स्थिति बिगड़ती जा रही है।त्योहारों के समय घरेलू खर्च बढ़ने से उनकी परेशानी और बढ़ गई है। उपस्थिति विवरणी मिलने पर



लौट गई।कार्तिक मास के दौरान प्रतिदिन घाट पर श्रद्धालु महिलाओं की भीड़ जुट रही है।

बैलेट पेपर से चुनाव में हार पर कांग्रेस आत्ममंथन करे : बजरंगी प्रसाद यादव

एक नवंबर की दिल्ली रैली से पहले भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री ने राहुल गांधी से पूछे सवाल

संवाददाता
साहिबगंज : भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव ने इभीएम से चुनाव कराने को लेकर कांग्रेस की ओर से उठाए जा रहे सवालों पर निशाना साधा है।उन्होंने कहा कि कांग्रेस लगातार इभीएम पर सवाल उठाते हुए बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग करती रही है।इसी मुद्दे पर एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस की रैली प्रस्तावित है।बजरंगी प्रसाद यादव ने विधान परिषद की सीटों पर बैलेट पेपर से

हुए चुनाव का हवाला देते हुए राहुल गांधी से सवाल किया कि जब चुनाव बैलेट पेपर से हुए,तब कांग्रेस की हार की जिम्मेदारी किसकी है? उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश,बिहार,महाराष्ट्र और कर्नाटक में विधान परिषद की 28 सीटों पर हुए चुनाव में कांग्रेस ने 12 सीटों पर उम्मीदवार उतारे लेकिन उसे केवल महाराष्ट्र में एक सीट पर जीत मिली।उन्होंने कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार होने के बावजूद चारों सीटों पर भाजपा-जेडीएस गठबंधन की जीत का भी उल्लेख

किया।उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में चुनाव जीतने के लिए जनता और मतदाताओं का विश्वास हासिल करना जरूरी है।केवल इभीएम और चुनाव प्रणाली पर सवाल उठाने से राजनीतिक सफलता नहीं मिलती। कांग्रेस को अपने चुनावी प्रदर्शन की ईमानदारी से समीक्षा करने के साथ परिवारवाद और राजनीतिक रणनीति पर भी आत्ममंथन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनाव इभीएम से हो या बैलेट पेपर से लोकतंत्र में जनता का फैसला सर्वोपरि है।

बरहरवा पहुंचीं भाजपा प्रदेश महिला मोर्चा अध्यक्ष सीमा सिंह, हुआ स्वागत

साहिबगंज/बरहरवा : भाजपा प्रदेश महिला मोर्चा की अध्यक्ष सीमा सिंह संधाल परगना भ्रमण के दौरान बरहरवा पहुंचीं।इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत एवं अभिनंदन किया।मौके पर संगठन की मजबूती, महिला सशक्तिकरण और जनसेवा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई।इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष गौतम कुमार यादव,जिला प्रभारी अमृत पांडेय,रमिता तिवारी,कमल कृष्ण भगत,नगर अध्यक्ष रवींद्र भगत , अ मि ता भ ा र ती , गरि मा ,श्वे ता ,रि म ड़ि म ,उ धा भारती ,पून म देवी सहित बरहरवा एवं ग्रामीण क्षेत्रों के अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष सीमा सिंह ने कहा,ह्मभाजपा महिला मोर्चा का उद्देश्य महिलाओं

को सशक्त बनाना,उन्हें संगठन में उचित भागीदारी दिलाना और समाज सेवा के कार्यों में उनकी सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करना है।महिला शक्ति किसी भी समाज और राष्ट्र की प्रगति का आधार है।हमें केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने और महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए।इन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूत बनाने तथा जनहित के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष को भरोसा दिलाया कि संगठन की मजबूती,नारी शक्ति के सम्मान और जनसेवा के संकल्प को आगे बढ़ाने के लिए सभी मिलकर कार्य करेंगे।

होगी कार्रवाई-डीईओ

इस संबंध में जिला शिक्षा पदाधिकारी नयन कुमार ने बताया कि संबंधित कर्मचारियों की उपस्थिति विवरणी अभी उनके समक्ष प्रस्तुत नहीं की गई है।उन्होंने कहा कि उपस्थिति विवरणी मिलने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। बकाया भुगतान की आस में कर्मचारी आठ महीने से मानदेय लंबित रहने के कारण कर्मचारियों की उम्मीद अब जिला प्रशासन पर टिकी है।कर्मचारी चाहते हैं कि उपस्थिति विवरणी से जुड़ी प्रक्रिया जल्द पूरी हो और उनके बकाया मानदेय का भुगतान किया जाए।उनका कहना है कि समय पर महनताना मिलना उनकी जरूरी हक है,ताकि वे अपने परिवार की जरूरतें पूरी कर सकें और त्योहार भी बिना आर्थिक चिंता के मना सकें।



वियना ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे ज्वेरेव पहली बार विश्व नंबर एक बनना सुनिश्चित

वियना। जर्मनी के स्टार टेनिस खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने वियना ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के साथ ही पहली बार विश्व रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल करना सुनिश्चित कर लिया है। गुरुवार को खेले गए प्री-क्वार्टर फाइनल में ज्वेरेव ने नीदरलैंड के टालोन ग्रिक्सपुर को 6-4, 7-5 से हराया।

सोमवार को जारी होने वाली नई रैंकिंग में वह इटली के यानिक सिनर को पीछे छोड़कर दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी बन जाएंगे।

29 वर्षीय ज्वेरेव फ्रेंच ओपन और अमेरिकी ओपन के खिताब जीतने के बाद शानदार लय में हैं।



वह 1991 में बोरिस बेकर के बाद विश्व रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल करने वाले जर्मनी के दूसरे पुरुष टेनिस खिलाड़ी होंगे। वर्ष 1973

में विश्व रैंकिंग शुरू होने के बाद शीर्ष स्थान पर पहुंचने वाले वह 30वें पुरुष खिलाड़ी बनेंगे। ग्रिक्सपुर के खिलाफ ज्वेरेव ने

दमदार खेल दिखाया। उन्होंने लगातार दो सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। मैच का अंत उन्होंने ऐसा लगाकर किया। इस उपलब्धि के बाद कोर्ट पर विशेष समारोह आयोजित किया गया, जिसमें उनकी टीम के साथ ऑस्ट्रिया के पूर्व विश्व नंबर एक खिलाड़ी थॉमस मस्टर भी मौजूद रहे।

ज्वेरेव ने कहा कि दुनिया के शीर्ष पर पहुंचने का एहसास बेहद खास है। किसी टूर्नामेंट का खिताब जीतने से यह उपलब्धि अलग है। उन्होंने कहा कि नई रैंकिंग जारी होने पर अपने नाम के आगे नंबर एक

देखना उनके लिए अविस्मरणीय अनुभव होगा।

ज्वेरेव ने यह भी स्वीकार किया कि सिनर और कार्लोस अल्काराज की चोटों ने उन्हें शीर्ष स्थान तक पहुंचने में कुछ मदद की। सिनर ने घुटने की चोट से उबरने के लिए अक्टूबर की शुरूआत में ही अपना सत्र समाप्त करने का फैसला किया था। वहीं, विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर मौजूद अल्काराज ने गुरुवार को वियना ओपन में निकोलोज बासिलाश्विली को 6-1, 7-6 (11) से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। ज्वेरेव इससे पहले 2022 में

फ्रेंच ओपन के दौरान भी विश्व नंबर एक बनने के करीब पहुंचे थे, लेकिन राफेल नडाल के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में उनके टखने के लिंगामेंट में चोट लग गई थी। इसके कारण उन्हें पूरे शेष सत्र से बाहर होना पड़ा था।

ज्वेरेव ने कहा कि उन्हें इस उपलब्धि के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा, लेकिन जीवन की सबसे अच्छी चीजों के लिए कभी-कभी इंतजार करना पड़ता है। उन्होंने अपने शानदार वर्ष के लिए आभार जताते हुए कहा कि वह इस उपलब्धि से बेहद खुश और उत्साहित हैं।



साझा किया अक्षय कुमार के साथ काम करने का अनुभव

साउथ की चर्चित अभिनेत्री राशि खन्ना जल्द ही अक्षय कुमार की फिल्म 'मौजा ही मौजा' में नजर आएंगी। इस फिल्म की शूटिंग उन्होंने पूरी कर ली है और सेट से कुछ झलकियां शेयर करते हुए खुशी जताई है। राशि खन्ना ने आज शनिवार को इंस्टाग्राम अकाउंट से पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने तस्वीरों की एक सीरीज शेयर की है। साथ ही लंबा नोट लिखा है। राशि ने लिखा है, 'हर फिल्म की एक कहानी स्क्रीन पर होती है, लेकिन कभी-कभी असली मजा तब आता है, जब कैमरा चल नहीं रहा होता'।

बिल्कुल बोरियत नहीं हुई अभिनेत्री ने आगे लिखा है, 'फिल्म 'मौजा ही मौजा' उन शूट्स में से एक था, जो काम से ज्यादा छुट्टी जैसा लगा। बिना रुके हंसी से लेकर लूडो गेम्स, डंब चारेड्स, कैरम मैच और बीच-बीच में होने वाले सारे पागलपन तक, कभी कोई पल बोरिंग नहीं था'।

राशि खन्ना ने आगे कहा, 'अक्षय सर, विद्या मैम और अनीस सर, इस सफर को

इतना मजेदार बनाने के लिए आपका शुक्रिया। फिल्म भले ही पूरी हो गई हो, लेकिन मुझे लगता है कि इस सेट की कहानियां हमें लंबे समय तक हंसाती रहेंगी'। राशि खन्ना के अन्य प्रोजेक्ट राशि खन्ना के पास 'मौजा ही मौजा' के अलावा कुछ और प्रोजेक्ट्स भी हैं। वे सुपरस्टार रजनीकांत के साथ फिल्म 'धर्मन' में नजर आएंगी। इसके अलावा क्राइम ड्रामा सीरीज 'फर्जी' के दूसरे सीजन में भी उन्हें देखा जाएगा।



हायलो ओपन : सिंधु और अनमोल खरब क्वार्टर फाइनल में



सारबुकेन । भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने हायलो ओपन 2026 के महिला एकल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। गुरुवार को खेले गए प्री-क्वार्टर फाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त सिंधु ने फ्रांस की रोसी ओक्टविवा पंकासारी को सीधे गेम्स में 21-9, 21-6 से हराया। यह मुकाबला 30

मिनट से भी कम समय में समाप्त हो गया। क्वार्टर फाइनल में सिंधु का सामना डेनमार्क की अमाली शुल्ज से होगा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु इस सुपर 500 प्रतियोगिता में फ्रेंच ओपन सुपर 750 में उपविजेता रहने के बाद उतरी हैं। फ्रेंच ओपन के फाइनल में उन्हें विश्व की नंबर एक खिलाड़ी दक्षिण कोरिया की आन से यंग से हार

का सामना करना पड़ा था। इस बीच युवा भारतीय खिलाड़ी अनमोल खरब ने भी शानदार वापसी करते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। 19 वर्षीय अनमोल ने प्री-क्वार्टर फाइनल में उच्च वरीयता प्राप्त डेनमार्क की लाइन क्रिस्टोफरसन को एक घंटे तीन मिनट तक चले मुकाबले में 11-21, 21-18, 25-23 से हराया। पहला गेम गंवाने के बाद अनमोल ने दूसरे गेम में वापसी की और मुकाबले को निर्णायक गेम तक पहुंचाया। तीसरे गेम में उन्होंने धैर्य बनाए रखते हुए 25-23 से जीत दर्ज की। सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए अब उनका सामना भारत की ही उन्नति हुड्डा से होगा हालांकि, मालविका बंसोड़ को महिला एकल के प्री-क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। उन्हें कनाडा की वेन यू झांग ने 21-11, 21-17 से हराकर प्रतियोगिता से बाहर कर दिया।

आयरलैंड के लेग स्पिनर बेन व्हाइट ने 28 साल की उम्र में लिया संन्यास

डबलिन। आयरलैंड के लेग स्पिनर बेन व्हाइट ने 28 साल की उम्र में पेशेवर क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की है। उन्होंने क्रिकेट को



अलविदा कहने के बाद सीफ्टवेयर विकास कंपनी पर्सोनियो में नई जिम्मेदारी संभाली है। वह कंपनी में युके और आयरलैंड क्षेत्र के लिए बिजनेस डेवलपमेंट प्रतिनिधि के रूप में काम करेंगे। व्हाइट ने जुलाई, 2021 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। उन्होंने आयरलैंड के लिए तीनों प्रारूपों में कुल 43 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले। उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच पिछले साल दिसंबर में था। उन्हें आयरलैंड की टीम में लंबे समय तक कलाई के स्पिनर की कमी पूरी करने वाले खिलाड़ी के रूप में देखा जा रहा था। व्हाइट ने 38 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 36 विकेट लिए। वह 2021, 2024 और 2026 के टी20 विश्व कप के लिए आयरलैंड की टीम का हिस्सा रहे।

मनप्रीत और सुखजीत के दो-दो गोल से भारत ने चीन को 5-2 से हराया



९९ भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी पंजाब-2026 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए गुरुवार को चीन को 5-2 से हरा दिया। ओलंपियन सुखजीत सिंह हॉकी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में कप्तान हरमनप्रीत सिंह और प्लेयर ऑफ द मैच सुखजीत सिंह ने दो-दो गोल किए, जबकि जुगराज सिंह ने एक गोल दागा। इस जीत के साथ गत चैंपियन भारत ने दो मैचों में छह अंक हासिल कर अंक तालिका में शीर्ष स्थान बनाए रखा। भारत की ओर से सुखजीत ने 12वें और 34वें मिनट में गोल किए। हरमनप्रीत ने 27वें और 31वें मिनट में पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदला, जबकि जुगराज ने 47वें मिनट में पेनाल्टी कॉर्नर से गोल किया। चीन की ओर से यांग पेंग ने 26वें और चेन चोंगचोंग ने 36वें मिनट में गोल

किए।

भारत ने मैच की शुरूआत से ही आक्रामक रख अपनाया, लेकिन चीन ने मजबूत रक्षात्मक रणनीति के दम पर मेजबान टीम को आसानी से मौके नहीं बनाने दिए। 12वें मिनट में जुगराज के लंबे हवाई पास को नियंत्रित करने के बाद सुखजीत ने आगे बढ़ते गोलकीपर के ऊपर से गेंद उठाकर शानदार गोल किया। चीन ने 14वें मिनट में बराबरी का प्रयास किया, लेकिन भारतीय गोलकीपर सूरज करकेरा ने लगातार दो बचाव कर बढ़त कायम रखी। दूसरे क्वार्टर में चीन ने 26वें मिनट में पेनाल्टी कॉर्नर से गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। हालांकि, भारत ने तुरंत जवाब दिया और अगले ही मिनट हरमनप्रीत ने अपनी दमदार ड्रैग-फ्लिक से टीम को फिर बढ़त दिला दी। हाफ टाइम तक भारत 2-1 से आगे था।

तीसरे क्वार्टर में हरमनप्रीत ने 31वें मिनट में एक और पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत की बढ़त 3-1 कर दी। इसके तीन मिनट बाद सुखजीत ने अपना दूसरा गोल दागा। आदित्य अर्जुन लालगे ने कप्तान के हवाई पास को नियंत्रित कर गेंद सुखजीत की ओर बढ़ाई, जिसे उन्होंने गोल में पहुंचा दिया। चीन ने 36वें मिनट में चेन चोंगचोंग के पेनाल्टी कॉर्नर गोल से अंतर घटाकर 2-4 कर दिया। अंतिम क्वार्टर में भारत ने गोल करने के प्रयास जारी रखे। 47वें मिनट में जुगराज सिंह ने पेनाल्टी कॉर्नर पर सटीक फ्लिक लगाकर भारत का पांचवां गोल किया। मैच के अंतिम चरण में हरमनप्रीत को हैट्रिक पूरी करने का मौका मिला, लेकिन चीन के गोलकीपर वू हुआन्यू ने शानदार बचाव कर उन्हें रोक दिया।



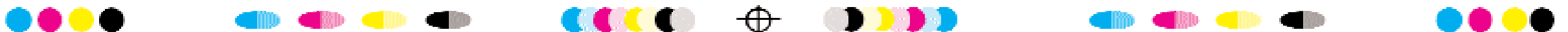
हॉलीवुड में फिल्म निर्माण से जुड़ीं पूजा बत्रा कल्पना चावला से प्रेरित होकर बनीं 'अंतरिक्ष यात्री'

हॉलीवुड में कई अभिनेत्रियां ऐसी रही हैं, जिन्होंने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग और फिल्मों से की, लेकिन कुछ समय बाद उनकी जिंदगी ने ऐसा मोड़ लिया कि वे फिल्मी पर्दे से दूर हो गईं। पूजा बत्रा की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। मिस इंडिया का खिताब जीतने के बाद उन्होंने फिल्मों में अपनी पहचान बनाई और फिर निजी जिंदगी के फैसलों के चलते कुछ समय के लिए हिंदी सिनेमा से दूरी बना ली। इसके बाद उन्होंने विदेश में अपनी जिंदगी और करियर को नए सिरे से आगे बढ़ाया।

उन्होंने हॉलीवुड में काम किया और एक फिल्म में अंतरिक्ष यात्री का किरदार निभाया। इस रोल की तैयारी के लिए उन्होंने भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला और सुनीता विलियम्स के जीवन के बारे में भी पढ़ा। अब पूजा अभिनय के साथ फिल्म निर्माण की दुनिया में भी सक्रिय हैं। पूजा बत्रा का जन्म 27 अक्टूबर 1975 को हुआ था। उनके पिता रवि बत्रा भारतीय सेना में कर्नल थे, जबकि उनकी मां नीलम बत्रा ने भी 1971 में मिस इंडिया प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। सेना में पिता की नौकरी के कारण पूजा को बचपन में अलग-अलग जगहों पर रहना पड़ा। उन्होंने करीब 12 साल में 10 स्कूल बदले। बचपन से ही उन्हें खेलों में दिलचस्पी थी और वह दौड़ की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेती थीं। पूजा ने कम उम्र में ही मॉडलिंग शुरू कर दी थी। एक साबुन के विज्ञापन से उन्हें काफी पहचान मिली। साल 1993 में उन्होंने मिस

इंडिया इंटरनेशनल का खिताब जीता। इस उपलब्धि के बाद उनके लिए मनोरंजन की दुनिया में नए रास्ते खुले। हालांकि, उन्होंने अपनी पढ़ाई भी पूरी की और इसके बाद फिल्मों में कदम रखा। साल 1997 में रिलीज हुई फिल्म 'विरासत' से उन्होंने हिंदी सिनेमा में पहचान बनाई। इस फिल्म में वह अनिल कपूर और तब्बू के साथ नजर आईं। इसके बाद उन्होंने 'भाई', 'हसीना मान जाएगी', 'दिल ने फिर याद किया', 'कहीं प्यार न हो जाए' और 'नायक : द रियल हीरो' जैसी फिल्मों में काम किया। पूजा की जिंदगी में एक ऐसा भी समय आया, जब उन्होंने फिल्मों से दूरी बना ली। उन्होंने अमेरिका में रहने वाले ऑर्थोपेडिक सर्जन सोनू एस. अहलवालिया से शादी की और लॉस एंजलिस में रहने लगीं। बाद में दोनों का तलाक हो गया। इस बदलाव के बाद पूजा ने अपने जीवन और करियर को फिर

से आगे बढ़ाने पर ध्यान दिया। उन्होंने भारतीय फिल्मों के साथ अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट्स में भी मौके तलाशे। पूजा के करियर का एक खास पड़ाव 2016 में आई साइंस-फिक्शन फिल्म 'वन अंडर द सन' रही। इस फिल्म में उन्होंने कैथरीन वॉस नाम की अंतरिक्ष यात्री का किरदार निभाया था। कहानी एक ऐसे अंतरिक्ष मिशन की अकेली बची यात्री के बारे में थी, जो धरती पर लौटने के बाद अपनी बीमार बेटी से मिलना चाहती है। फिल्म के लिए तैयारी करते समय पूजा ने कल्पना चावला और सुनीता विलियम्स के जीवन के बारे में पढ़ा। उन्होंने बताया कि इन अंतरिक्ष यात्रियों से उन्हें किरदार की शारीरिक बनावट और व्यक्तित्व को समझने में मदद मिली। फिल्म की शूटिंग सिर्फ 11 दिनों में पूरी हुई थी। इसे कान फिल्म फेस्टिवल में भी पेश किया गया था। पूजा ने सिर्फ अभिनय तक खुद को सीमित नहीं रखा। वह फिल्म निर्माण के क्षेत्र में भी आगे बढ़ीं और लॉस एंजलिस स्थित अपनी प्रोडक्शन कंपनी ग्लोबल इंक के जरिए प्रोजेक्ट्स से जुड़ीं। साल 2026 में उनकी कंपनी के निर्माण में बनी शॉर्ट फिल्म 'इको ऑफ अस' कान फिल्म फेस्टिवल के दौरान दिखाई गई। इस फिल्म में दीपक तिजोरी और स्पेनिश अभिनेत्री एलेसांद्रा व्हेलन मेरिडिज नजर आए।



उग्र के जालौन में अवैध सिंथेटिक ड्रग्स बनाने की फैक्टरी का भंडाफोड़

1100 किलो नशीले पदार्थ व रसायन जब्त

एजेंसी
नई दिल्ली। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने उत्तर प्रदेश के जालौन जिले के एक दूरदराज गांव में चले रही अवैध सिंथेटिक ड्रग्स बनाने की फैक्टरी का भंडाफोड़ किया है। कार्रवाई में करीब 1100 किलोग्राम नशीले पदार्थ, उन्हे बनाने में इस्तेमाल होने वाले रसायन और उपकरण जब्त किए गए हैं। इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। वित्त मंत्रालय के अनुसार विशेष खुफिया जानकारी के

आधार पर डीआरआई के अधिकारियों की बड़ी टीम ने उत्तर प्रदेश आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) की मदद से 29 अक्टूबर की सुबह संधि्घ ठिकाने पर संयुक्त कार्रवाई की। तलाशी के दौरान वहां सिंथेटिक ड्रग्स बनाने के लिए पूरी तरह संचालित प्रयोगशाला मिली। मौके से करीब 184 किलोग्राम अर्धनिर्मित नशीले पदार्थ, लगभग 582 किलोग्राम प्रीकर्सर रसायन और निर्माण में इस्तेमाल होने वाले उपकरण जब्त किए गए।

इसके बाद आरोपितों के

आवासीय परिसरों की तलाशी ली गई। वहां से करीब 15.4 किलोग्राम तैयार मेथाक्वालीन, लगभग 153 किलोग्राम रसायन और निर्माण प्रक्रिया में इस्तेमाल होने वाली एक मशीन बरामद की गई। एक अन्य आरोपित के परिसर की तलाशी में करीब 168 किलोग्राम अतिरिक्त प्रीकर्सर रसायन जब्त किए गए।

डीआरआई ने इस अवैध निर्माण केंद्र से जुड़े दो लोगों को स्वाक्ष औषधि और मन-प्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस)-1985 के

प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया है।

मंत्रालय के अनुसार तैयार नशीले पदार्थों, अर्धनिर्मित सामग्री, प्रीकर्सर रसायनों और निर्माण उपकरणों की बड़ी मात्रा में बरामदगी से संगठित अवैध नशीले पदार्थों के निर्माण नेटवर्क का संकेत मिलता है। इस कार्रवाई से अवैध उत्पादन केंद्र को ध्वस्त करने के साथ ही बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थों और रसायनों को अवैध आपूर्ति शृंखला तक पहुंचने से रोका गया है।

राहुल गांधी के पंजाब दौरे के बीच भाजपा का काउंटर प्लान

4 नवंबर को चंडीगढ़ में होगा बड़ा सिख सम्मेलन

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के पंजाब दौरे के बीच भारतीय जनता पार्टी ने अपना कार्यक्रम तय किया है। भाजपा 4 नवंबर को चंडीगढ़ में एक बड़ा सिख सम्मेलन आयोजित करने जा रही है। इस सम्मेलन का प्रमुख केंद्र 1984 के सिख विरोधी दंगे और इन दंगों के पीड़ितों को न्याय दिलाने की लड़ाई होगी।

दिनभर चलने वाले इस सम्मेलन में 1984 के दंगों से प्रभावित लोगों, पीड़ित परिवारों और लंबे समय से न्याय की लड़ाई लड़ रहे लोगों को आमंत्रित किया गया है। इसके जरिए दंगों से जुड़े मामलों, पीड़ितों के संघर्ष

बद्रीनाथ से लौट रहा हेलीकॉप्टर लापता, प्रशासन ने शुरू किया रेस्क्यू ऑपरेशन

चमोली। उत्तराखंड के चमोली जिले में बद्रीनाथ धाम से शुक्रवार को लौट रहे एक हेलीकॉप्टर के लापता होने की खबर है। इससे प्रशासन में हड़कंप मच गया। हेलीकॉप्टर की लोकेशन बद्रीनाथ धाम और जोशीमठ के बीच नहीं मिल पा रही है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार हेलीकॉप्टर की लोकेशन नहीं मिलने की सूचना प्रशासन को प्राप्त हुई है। इसके बाद प्रशासन ने तत्काल रेस्क्यू अभियान शुरू कर दिया है। प्रशासन और संबंधित हेलीकॉप्टर कंपनी की टीमों हेलीकॉप्टर की लोकेशन का पता लगाने में जुटी हैं। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एक्स पोस्ट में कहा कि जोशीमठ के चाई गांव के निकट हेलीकॉप्टर क्रैश होने की दुर्भाग्यपूर्ण सूचना प्राप्त हुई है। जिला प्रशासन, आपदा प्रबंधन विभाग, एसडीआरएफ द्वारा संयुक्त रूप से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा, मैं स्वयं भी पूरे घटनाक्रम की निरंतर निगरानी कर रहा हूं। गंभीर रूप से घायलों को तत्काल एयरलिफ्ट कर बेहतर उपचार के लिए हायर सेंटर पहुंचाने के निर्देश दिए हैं। ईश्वर से यात्रियों के सफुल्ल होने की कामना करता हूं। प्रारंभिक सूचना में हेलीकॉप्टर में यात्रियों और पायलट सहित कुल छह लोगों के सवार होने की बात सामने आई है। हालांकि, यात्रियों की संख्या को लेकर अलग-अलग जानकारी मिल रही है। फिलहाल हेलीकॉप्टर की स्थिति और उसमें सवार लोगों की कुशलता के संबंध में आधिकारिक जानकारी का इंतजार है।

और न्यायिक प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की जाएगी।

सूत्रों के मुताबिक सम्मेलन में उन वक्ताओं को भी आमंत्रित किया गया है, जिन्होंने 1984 के दंगों से जुड़े मामलों में पीड़ित परिवारों की ओर से कानूनी लड़ाई लड़ी है। इसके अलावा, हिंसा से जुड़े मामलों में फेसले सुनाने वाले न्यायाधीशों को भी इस कार्यक्रम में बुलाया गया है। इस तरह सम्मेलन में पीड़ितों के अनुभवों के साथ-साथ कानूनी लड़ाई और न्यायिक प्रक्रिया से जुड़े पहलुओं को भी जगह दी जाएगी।

गौरतलब है कि राहुल गांधी 4 नवंबर को पंजाब के संगरूर में कांग्रेस की रैली को संबोधित

करने वाले हैं। यह रैली पंजाब में 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस के चुनावी अभियान की शुरुआत मानी जा रही है। ऐसे में उसी दिन चंडीगढ़ में भाजपा का सिख कांक्लेव आयोजित होना राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। भाजपा के इस कार्यक्रम को राहुल गांधी के पंजाब दौरे के दौरान पार्टी की ओर से 1984 के दंगों और सिख समुदाय से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि, सम्मेलन का घोषित मुख्य उद्देश्य 1984 के दंगा पीड़ितों, उनके परिवारों और न्याय की लड़ाई को समर्पित रहना है।

भाजपा के तीन दिग्गज आज छत्तीसगढ़ दौरे पर, जेपी नड्डा दुर्ग में करेंगे जनसभा और पदयात्रा

3:15 बजे दुर्ग के लिए रवाना होंगे। वहां महेश कॉलोनी (पुलगांव) में आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद 4 बजे भाजपा के हलोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओह्र्द अभियान के तहत महेश कॉलोनी से गंजपारा चौक, दुर्ग तक आयोजित पदयात्रा में शामिल होंगे।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान 30 अक्टूबर को शाम 7 बजे रायपुर पहुंचेंगे। वे 31 अक्टूबर को सुबह 10 बजे राजधानी स्थित आईसीएआर-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बायोटिक

स्ट्रेस मैनेजमेंट के खेत बचाओ अभियान और पौधरोपण कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। इसके बाद दोपहर 1:30 बजे नेताजी सुभाष स्टेडियम से तेलीबांधा मरीन ड्राइव तक आयोजित पदयात्रा में शामिल होंगे। यह पदयात्रा भाजपा के हलोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओह्र्द अभियान के तहत आयोजित की जा रही है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी भी आज दोपहर 1 बजे रायपुर पहुंचेंगे। अपने छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान वे राजधानी में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे।

सरार्फा बाजार में फीकी पड़ी सोने की चमक, चांदी के भाव में भी बड़ी गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सरार्फा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में सांकेतिक कमजोरी का रुख नजर आ रहा है। वहीं चांदी के भाव में आज 5,000 रुपये प्रति किलोग्राम की बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। सोने की कीमत में गिरावट आने के कारण देश के अलग अलग सरार्फा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,43,940 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,44,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,31,940 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,32,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सरार्फा बाजार में आज 2,14,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,44,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,090 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,43,940 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना

रांची, शुक्रवार 30 अक्टूबर 2026

न्यूज़ IN बीफ

1 नवंबर को रवि पुष्य और सर्वार्थ सिद्धि योग का महासंयोग, खरीदारी से कारोबार की शुरुआत तक शुभ रहेगा दिन

भोपाल। कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की सप्तमी तिथि पर रविवार, एक नवंबर को रवि पुष्य नक्षत्र और सर्वार्थ सिद्धि योग का विशेष संयोग बन रहा है। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार पुष्य नक्षत्र को समृद्धि, स्थायित्व और शुभ कार्यों की सफलता से जोड़कर देखा जाता है। इस दिन सोना-चांदी, आभूषण, वाहन, जमीन, प्लॉट और मकान की खरीदारी के साथ नए कारोबार, स्टार्टअप और व्यावसायिक योजनाओं की शुरुआत भी शुभ मानी गई है। खास बात यह है कि पुष्य नक्षत्र पूरे दिन रहने से खरीदारी और शुभ कार्यों के लिए दिनभर अवसर उपलब्ध रहेगा। ज्योतिषाचार्य पं. राजेश दुबे के अनुसार, रविवार और पुष्य नक्षत्र का संयोग रवि पुष्य योग का निर्माण करता है। पुष्य नक्षत्र को सभी 27 नक्षत्रों में विशेष शुभता और समृद्धि का प्रतीक माना गया है। इस दिन सोना-चांदी, आभूषण, वाहन, बर्तन और घरेलू उपयोग की वस्तुओं की खरीदारी के साथ जमीन, प्लॉट और मकान में निवेश करना भी शुभ माना जाता है। रविवार और सप्तमी तिथि का संबंध सूर्यदेव से होने के कारण इस संयोग का धार्मिक महत्व भी बढ़ जाता है। पंडित भरत शास्त्री का इस विशेष दिन को लेकर कहना है कि रवि पुष्य नक्षत्र का संबंध स्थायित्व और समृद्धि की परंपरागत मान्यताओं से जुड़ा है। इसी वजह से इस दिन जमीन, प्लॉट और मकान की खरीदारी, संपत्ति की रजिस्ट्री तथा दीर्घकालिक निवेश से जुड़े निर्णयों को शुभ माना जाता है। शनि को स्थायित्व और दीर्घकालिक योजनाओं का कारक माना जाता है। ऐसे में पुष्य नक्षत्र के इस संयोग में लोग भविष्य की आर्थिक योजनाओं और संपत्ति अर्जित करने की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं। दूसरी ओर भागवताचार्य पंडित ब्रूजेश चंद्र दुबे ने बताया कि रवि पुष्य योग को व्यापारिक गतिविधियों के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन नए व्यापार और व्यवसाय की शुरुआत, प्रतिष्ठानों का शुभारंभ, बही-खातों की खरीदारी और नई व्यावसायिक योजनाओं का आरंभ किया जा सकता है। आधुनिक दौर में स्टार्टअप और नए उद्यम शुरू करने की योजना बना रहे लोगों के लिए भी यह दिन परंपरागत रूप से शुभ अवसर है।

उन्होंने बताया, इस बार शनि के मीन राशि में गोचर और गुरु की स्थिति को भी ज्योतिषीय दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। रवि पुष्य और सर्वार्थ सिद्धि योग के साथ ग्रहों की स्थिति इस दिन की खरीदारी, निवेश और शुभ कार्यों के लिए विशेष बना रही है। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, पुष्य नक्षत्र में शुरू किए गए कार्यों में स्थायित्व और निरंतर प्रगति की कामना की जाती है। इसी कारण व्यापारी वर्ग इस अवसर पर नए प्रतिष्ठान, मशीनरी, व्यावसायिक उपकरण और कारोबार से संबंधित जरूरी वस्तुओं की खरीदारी को प्राथमिकता देता है। इसके साथ ही इस दिन धार्मिक अनुष्ठान, पूजा-पाठ, मंत्र जाप, दान-पुण्य और आध्यात्मिक गतिविधियां भी की जा सकती हैं। सूर्यदेव की आराधना, विशेष पूजा और जरूरतमंदों को दान देने की परंपरा भी इस अवसर को धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बनाती है।

असंगठित, गिग व प्लेटफॉर्म श्रमिकों के लिए राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा बोर्ड का गठन अधिसूचित

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने असंगठित श्रमिकों और गिग एवं प्लेटफॉर्म श्रमिकों के लिए राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा बोर्ड के गठन को अधिसूचित किया है। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने सामाजिक सुरक्षा संहिता के तहत इन बोर्डों के गठन की आधिकारिक अधिसूचना जारी की है। इसका उद्देश्य असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म पर काम करने वाले श्रमिकों को भी सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाना है। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के अनुसार, इन बोर्डों की अध्यक्षता केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री करेंगे। इनमें केंद्र और राज्य सरकारों के प्रतिनिधियों के साथ एग्रीगेटर कंपनियों, नियोक्ताओं, नागरिक समाज संगठनों, श्रमिक संघों और गिग एवं प्लेटफॉर्म श्रमिकों के संगठनों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा बोर्ड असंगठित श्रमिकों और गिग एवं प्लेटफॉर्म श्रमिकों के लिए लाक्षणिक कल्याणकारी योजनाओं की रूपरेखा तैयार करने, उनकी निगरानी करने और सरकार को सिफारिशें देने का काम करेंगे। इनका उद्देश्य असंगठित क्षेत्र के लाखों श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी कमियों को दूर करना है। अधिसूचना के मुताबिक, राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा बोर्डों की बैठक साल में कम से कम तीन बार होगी। बैठकों में कामकाज के संचालन से जुड़े नियम केंद्र सरकार की ओर से निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार लागू होंगे। बोर्ड केंद्र सरकार को असंगठित श्रमिकों, गिग श्रमिकों और प्लेटफॉर्म श्रमिकों के अलग-अलग वर्गों के लिए उपयुक्त सामाजिक सुरक्षा योजनाएं बनाने की सिफारिश करेंगे। इसके अलावा सामाजिक सुरक्षा संहिता के प्रशासन से जुड़े उन मामलों पर सरकार को सलाह देंगे, जिन्हें उनके पास भेजा जाएगा। बोर्ड केंद्र सरकार की ओर से संचालित सामाजिक कल्याण योजनाओं की निगरानी करेंगे। साथ ही राज्य स्तर पर रिकॉर्ड रखने की व्यवस्था की समीक्षा, निधि और खातों से किए गए व्यय का परीक्षण तथा केंद्र सरकार की ओर से सौंप गए अन्य कार्य भी करेंगे। इस पहल के जरिए गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों को भी देश की औपचारिक सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था से जोड़ने की दिशा में कदम उठाया गया है।

बोस्निया में यूरोपीय संघ शांति मिशन के दौरान इटली का हेलीकॉप्टर क्रैश, चार सैन्यकर्मि शहीद



सारायेवो (बोस्निया और हर्जेगोविना)। बोस्निया में यूरोपीय संघ शांति मिशन के दौरान इटली का हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में चार सैन्यकर्मियों का सर्वोच्च बलिदान हो गया। यूरोपीय संघ बल ने बताया कि गुरुवार शाम बोस्निया और हर्जेगोविना में नियमित प्रशिक्षण के दौरान यह चिनुक सैन्य हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में चार सैन्य कर्मियों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए। बोस्निया और हर्जेगोविना के बंजा लुका से प्रकाशित सबो-क्रोशियाई भाषा के दैनिक समाचार पत्र 'ग्लास सर्पस्के' की रिपोर्ट के अनुसार, यह हवाई हादसा ब्रको के पास गोरिस सेक्टर में हुआ। हादसे में वीरगति को प्राप्त होने वाले बहादुरों में दो इटली की आर्म्ड फोर्सज और दो इटैलियन मिलिट्री रेडक्रॉस के के सदस्य हैं। 11 घायलों में से दो तुजला मेडिकल सेंटर रेफर किया गया है। नौ का ब्रको में इलाज चल रहा है। यूरोपीय संघ बल ने आधिकारिक वयान में कहा कि इस घटना में घायल सभी लोगों की हालत अभी स्थिर है। बल ने इस दुर्घटना की प्रकृति को देखते हुए सभी से भ्रामक जानकारी फैलाने से बचने की अपील की है। यूरोपीय संघ बल ने शहीद सैनिकों के परिवारों, दोस्तों और रिश्तेदारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है।



पुलिस उप-महानिरीक्षक किशोर कौशल ने सतबरवा थाना का किया निरीक्षण

मेदिनीनगर : पुलिस उप-महानिरीक्षक ने थाना की कार्यप्रणाली, विधि-व्यवस्था एवं पुलिस प्रशासन से संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान थाना स्तर पर संचालित कार्यों की समीक्षा करते हुए आवश्यक बिंदुओं पर जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के क्रम में पुलिस उप-महानिरीक्षक ने थाना में संधारित अभिलेखों एवं विभिन्न पंजीयों का अवलोकन किया। इस दौरान अभिलेख एवं पंजी अद्यतन स्थिति में नहीं पाए गए, जिस पर उन्होंने असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को एक सप्ताह के भीतर सभी अभिलेखों एवं पंजीयों में आवश्यक प्रविष्टियां पूर्ण कर उन्हें अद्यतन करने का निर्देश दिया। उन्होंने पुलिस व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने, कानून-व्यवस्था संधारण तथा आम नागरिकों की शिकायतों के त्वरित निष्पादन के महत्व पर जोर दिया। थाना स्तर पर पुलिसिंग को सुदृढ़ बनाने और अपने दायित्वों का तत्परता एवं जवाबदेही के साथ निर्वहन करने की आवश्यकता पर भी बल दिया गया। निरीक्षण में एस. डी. पी. ओ. सदर पलामू श्री राजेश यादव , एस.आई. प्रदीप कुमार (सतबरवा थाना प्रभारी) एवं सतबरवा थाना में पदस्थापित पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

नवनिर्वाचित विधान पार्षदों ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

पटना : बिहार विधान परिषद के तिरहुत शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से नवनिर्वाचित विधान पार्षदों ने मुख्यमंत्री श्री स्म्राट चौधरी से पटना स्थित लोक सेवक आवास में मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने तिरहुत शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से विजयी डॉ. नरेंद्र प्रसाद सिंह और तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से विजयी श्री बंशीधर ब्रजवासी को जीत की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने डॉ. नरेंद्र प्रसाद सिंह की जीत को जनता के विश्वास और समर्थन का प्रतीक बताया। उन्होंने श्री बंशीधर ब्रजवासी को भी चुनाव में मिली सफलता पर शुभकामनाएं दीं। गौरतलब है कि तिरहुत शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी डॉ. नरेंद्र प्रसाद सिंह ने जीत दर्ज की है। वहीं, तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय उम्मीदवार श्री बंशीधर ब्रजवासी लगातार दूसरी बार निर्वाचित हुए हैं।

चक्रधरपुर के बहु प्रतिक्षित कार्यक्रम सड़क निर्माण कार्य हुआ पूर्ण

चक्रधरपुर : चक्रधरपुर के बहुप्रतीक्षित मुख्य चौक से लेकर थाना तक पुरानी बस्ती में सड़क निर्माण कार्य हो जाने से इस क्षेत्र के लोगों को काफी राहत और छठ पूजा में आने वाले छठवर्तियों तथा श्रद्धालु और आम जनों को काफी राहत और सुविधा हो गई है बरसों से इस सड़क मार्ग की कालीकरण सड़क निर्माण कराए जाने के मांग उठती रही और इस प्रकरण को चक्रधरपुर के विधायक सुखराम उरांव ने अपने प्रार्थमिकता सूची में रखते हुए इस वर्ष नगर पालिका के सौजन्य से निर्माण कार्य को करवाने की दिशा में सार्थक पहल किया और इसका सार्थक परिणाम भी सामने आया तथा चक्रधरपुर नगर परिषद के अध्यक्ष सन्नी उरांव इसे गंभीरता पूर्वक लेते हुए सार्थक पहल करते हुए दुर्गा पूजा के पूर्व इसका निर्माण करा कर शहर वासी और इस क्षेत्र के लोगों को अनुपम उपहार भी दी इस बहु प्रतीक्षित सड़क के कालीकरण सड़क निर्माण के साथ पूर्ण हो जाने से पूरे क्षेत्रवासी काफी हर्षित और प्रसन्नचित हैं और सबों ने इस कार्य के लिए नगर परिषद के अध्यक्ष का आभार भी व्यक्त किया है गौरतलब हो कि प्रत्येक वर्ष इस मार्ग से हैं छठ घाट नदी छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं का तथा आम जनों काआवागमन होता है जिसके फल स्वरूप इस जर्जर सड़क के काली करण सड़क निर्माण की मांग हमेशा उठती रही थी और इस वर्ष यह बहु प्रशिक्षित जनहित में कार्य पूर्ण हो चुका है जिसके फल स्वरूप शहर वासी के साथ-साथ इस क्षेत्र के लोग भी काफी हर्षित और प्रसन्नचित हैं और इस कार्य के लिए नगर परिषद अध्यक्ष को शुभकामना भी दी है इस प्रकार से नगर परिषद अध्यक्ष सन्नी उरांव के बेहतर और उत्कृष्ट कार्य काफी उपलब्धि भरा माना जा रहा है जो निश्चित तौर पर जनहित और आम लोगों के लिए काफी बेहतर और उत्कृष्ट कार्य भी है।

आईडिया ट्राइब जोनल बूटकैप 2026 का जीईसी पलामू में सफल आयोजन

मेदिनीनगर : राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय, पलामू में आईडिया ट्राइब जोनल बूटकैप 2026 का सफल आयोजन किया गया। इस बूटकैप का मुख्य उद्देश्य उद्यमिता, मार्केटिंग रणनीति और जनजातीय समुदाय के विकास पर केंद्रित था। इस बूटकैप में कुल 18 टीमों ने भाग लिया। राजकीय पॉलिटेक्निक लातेहार, राजकीय पॉलिटेक्निक गढ़वा और राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय पलामू की टीमों ने अपने नवाचारी विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मिशन ब्लू फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. पंकज सोनी उपस्थित रहे। निर्णायक मंडल में डॉ. पंकज सोनी के साथ-साथ जेयूटी सीआईआईई के प्रतिनिधि डॉ. राम सिंह और प्रोफेसर आदित्य कुमार शामिल थे। कार्यक्रम की शुरुआत शिक्षक समन्वयक डॉ. सुमित कुमार के संबोधन से हुई, जिसके बाद जीईसी पलामू के प्राचार्य डॉ. संजय कुमार सिंह ने सभा को संबोधित किया। सभी टीमों द्वारा आईडिया पिच करने के बाद मुख्य अतिथि डॉ. पंकज सोनी ने छात्रों को उद्यमिता और मार्केटिंग रणनीति पर अपने बहुमूल्य विचारों से मार्गदर्शन किया। इस कार्यक्रम का समन्वय शिक्षक समन्वयक डॉ. सुमित कुमार और डॉ. अभिषेक शर्मा तथा छात्र समन्वयक मंजीत कुमार, सुप्रियो चौधरी, एकलव्य जायसवाल, श्रीजन कुमार, अंजलि मिश्रा, संजीव महतो और देवांगु चटर्जी द्वारा किया गया।

बिहार में चक्रवाती तूफान से ग्रामीण इलाकों में मची तबाही, जनजीवन अस्त-व्यस्त

पटना : राज्य में चक्रवाती तूफान ने विकराल रूप धारण कर लिया है। तूफान के चरम पर पहुंचने के बाद कई इलाकों में विनाशकारी दृश्य देखने को मिल रहे हैं। तेज हवाओं और तूफान के प्रभाव से ग्रामीण क्षेत्रों में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों का जीवन बेहाल हो गया है और लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। तूफान के कारण ग्रामीण इलाकों में भय और अफरा-तफरी का माहौल बना हुआ है। प्राकृतिक आपदा के इस विकराल रूप ने आम जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। ग्रामीणों को अपने दैनिक कार्यों में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे हालात में प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को राहत एवं सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराना प्रशासन के लिए महत्वपूर्ण चुनौती बन गई है।

घाटों की साफ-सफाई, रोशनी, बैरिकेडिंग एवं नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने पर जोर

संवाददाता
चक्रधरपुर : आगामी दीपावली, काली पूजा एवं छठ महापर्व को शांतिपूर्ण, स्वच्छ एवं व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने को लेकर गुरुवार को नगर परिषद चक्रधरपुर के सभागार में बोर्ड बैठक आयोजित की गई. बैठक की अध्यक्षता नगर परिषद अध्यक्ष सन्नी उरांव ने की. बैठक में पर्व-त्योहारों के दौरान शहर की साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई तथा कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए. बैठक में काली पूजा पंडालों के आसपास विशेष साफ-सफाई कराने का प्रस्ताव पारित किया गया. वहीं छठ महापर्व को देखते हुए सीढ़ी छठ घाट, थाना नदी घाट एवं दंडासाही छठ घाट सहित शहर के अन्य छठ घाटों की साफ-सफाई कराने का निर्णय लिया गया. घाटों तक जाने वाले खराब रास्तों पर डस्ट बिछाने, नदी तटों पर सुरक्षा के मंदेनजर बैरिकेडिंग कराने तथा आवश्यक स्थानों पर रंग-रोपन कराने पर भी सहमति बनी. इसके अलावा सभी छठ घाटों पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया, ताकि व्रतियों एवं श्रद्धालुओं को सुबह और शाम के अर्च्य के दौरान किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो. पर्व के दौरान स्वच्छता व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए

पलामू में सात पीसीसी सड़कों के निर्माण को मिली मंजूरी

सांसद विष्णु दयाल राम की अनुशंसा पर 1.02 करोड़ स्वीकृत

मेट्रोरेज संवाददाता
मेदिनीनगर : पलामू जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क संपर्क को बेहतर बनाने के लिए सात पीसीसी सड़कों के निर्माण की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। सांसद श्री विष्णु दयाल राम की अनुशंसा पर वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंतर्गत जिला योजना अनाबद्ध निधि से इन योजनाओं को मंजूरी मिली है। सभी सात योजनाओं पर कुल 1 करोड़ 2 लाख 62 हजार 500 रुपये खर्च किए जाएंगे। स्वीकृत योजनाओं में पाटन प्रखंड की तीन, विश्रामपुर प्रखंड की दो, सदर मेदिनीनगर प्रखंड की एक तथा हुसैनबाद प्रखंड की एक सड़क शामिल है। इसके तहत पाटन प्रखंड के ग्राम काँके खुर्द में आरईओ पथ से पानी प्लांट तक 1,100 फीट पीसीसी सड़क का निर्माण 40 लाख 6 हजार 400 रुपये की लागत से कराया जाएगा। वहीं ग्राम पाल्हे खुर्द में राम नरेश शुक्ला के घर से मुखलीधर शुक्ला के घर होते हुए राम स्वरूप शुक्ला के घर तक 700 फीट सड़क के निर्माण पर 13 लाख 2 हजार 300 रुपये खर्च होंगे। इसी प्रखंड के ग्राम धनगई में मनहरण शर्मा के खेत से राजकुमार राम के घर तक 500 फीट पीसीसी सड़क के लिए 9 लाख 43 हजार 200 रुपये खर्च की जाएंगी। विश्रामपुर प्रखंड के ग्राम केतार कलां स्थित वाई संख्या-1 में पीसीसी रोड से पश्चिम दिशा में राघवेंद्र चौबे की जनवितरण प्रणाली दुकान होते हुए वीरेंद्र चौबे के घर तक 525 फीट सड़क का निर्माण 9 लाख 60 हजार 500 रुपये की लागत से होगा। इसी प्रखंड के ग्राम केतार में एनएच-75 से वीरेंद्र नाथ चौबे के घर तक 300 फीट पीसीसी सड़क के लिए 5 लाख 48 हजार 900 रुपये

जनता दरबार में अपर समाहर्ता ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

निष्पादन के लिए अधिकारियों को दिए निर्देश

संवाददाता
सिमडेगा : उपायुक्त के निदेशानुसार अपर समाहर्ता गिरिजा शंकर महतो ने जनता दरबार में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान जमीन के उत्तराधिकार संबंधी दाखिल-खारिज में कर्मचारियों द्वारा राशि लेने के

सीएम की घोषणा के बावजूद बाढ़ पीड़ितों को नहीं मिली सहायता राशि

वंचित परिवारों की सूची तक तैयार नहीं

संवाददाता
पटना : बिहार सरकार की ओर से बाढ़ प्रभावित परिवारों को राहत पहुंचाने के लिए घोषित 7 हजार रुपये की सहायता राशि अब भी कई जरूरतमंद परिवारों तक नहीं पहुंच पाई है। मुख्यमंत्री स्म्राट चौधरी की ओर से 15 सितंबर को बाढ़ पीड़ितों के खाते में डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के माध्यम से 7 हजार रुपये भेजने की घोषणा की गई थी। इसके बावजूद बड़ी संख्या में प्रभावित परिवार आज भी सहायता राशि मिलने का इंतजार कर रहे हैं। सरकार की घोषणा के बाद बाढ़ प्रभावित परिवारों में उम्मीद जगी थी कि आर्थिक संकट से जूझ रहे



अतिरिक्त सफाई व्यवस्था पर भी जोर दिया गया.

नगर परिषद अध्यक्ष सन्नी उरांव ने कहा कि दीपावली, काली पूजा

एवं छठ महापर्व शहर के प्रमुख त्योहार हैं. इन अवसरों पर श्रद्धालुओं एवं आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना

एसके बागे मेमोरियल महिला हॉकी टूर्नामेंट का शुभारंभ, दो मुकाबले ड्रॉ



संवाददाता
कोलेबिरा/सिमडेगा: हॉकी की नर्सरी के रूप में प्रसिद्ध सिमडेगा जिले के बरवाडीह में 35वीं एस.के. बागे मेमोरियल महिला हॉकी टूर्नामेंट 2026 का रंगारंग शुभारंभ हुआ।28 अक्टूबर से 1 नवंबर तक आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्घाटन कोलेबिरा विधायक नमन बिक्सल कोनगाड़ी ने किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला परिषद अध्यक्ष रोस प्रतिमा सोरेंग और कोलेबिरा अंचलाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी अनूप कच्छप उपस्थित रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन किया। टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच में बरवाडीह और सपाराम की महिला हॉकी टीमों के बीच मुकाबला खेला गया।दोनों टीमों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया, लेकिन निर्धारित समय तक कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। इस तरह मुकाबला 0-0 से बराबरी पर समाप्त हुआ। वहीं विद्यालय परिसर के दूसरे मैदान में बांकी और करंगागुड़ी की टीमों के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें दोनों टीमों ने एक-एक गोल किया। यह मैच भी 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ। उद्घाटन समारोह में पहुंचे अतिथियों का आयोजन समिति की ओर से स्वागत किया गया। अतिथियों को फूल-माला पहनाकर और स्वागत गान प्रस्तुत कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समारोह को आकर्षक बना दिया और उपस्थित लोगों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

महिला हॉकी खेल प्रतियोगिता को संबोधित करते हुए कोलेबिरा विधायक नमन बिक्सल कोनगाड़ी ने कहा कि खेल हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। खेल से शारीरिक और मानसिक विकास होता है तथा खिलाड़ियों में अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना का विकास होता है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है। जरूरत है इन प्रतिभाओं को उचित मैच और अवसर प्रदान करने की, ताकि वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें और जिले का नाम रोशन कर सकें।

विधायक श्री कोनगाड़ी ने आगे कहा कि महिला खिलाड़ियों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना जरूरी है। महिलाएं आज हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा साबित कर रही हैं और खेल के माध्यम से भी नई पहचान बना रही हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को पूरी लगन, मेहनत और खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने की प्रेरणा दी। जिला परिषद अध्यक्ष रोस प्रतिमा सोरेंग ने कहा* कि महिला हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का बेहतर अवसर प्रदान करता है। खेल महिलाओं को आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी और सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं से ग्रामीण क्षेत्र की उभरती हुई महिला खिलाड़ियों को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा लेना चाहिए और अपने प्रदर्शन से क्षेत्र का गौरव बढ़ाना चाहिए।

प्रतियोगिता का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाशाली महिला हॉकी खिलाड़ियों को अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करना और जिले में महिला हॉकी को बढ़ावा देना है। इस टूर्नामेंट में जिले के विभिन्न विद्यालयों की महिला हॉकी टीमों हिस्सा ले रही हैं। प्रतियोगिता को लेकर खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। आयोजन से उम्मीद जाता जा रही है कि ग्रामीण क्षेत्र की उभरती खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा और सिमडेगा की गौरवशाली हॉकी परंपरा को और मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम में संत जेवियर उच्च विद्यालय बरवाडीह के प्राचार्य फादर ब्रिसियुस तीर्की, फादर एड-वर्ड डुंगडुंग, फादर फुलजेंस बुढ़, फादर सुमिलन मिंज, फादर सेवेस्तिनयन एक्का, बांकी मिशन के फादर अलेक्जेंडर कुल्लु, जिला परिषद अध्यक्ष रोस प्रतिमा सोरेंग, बोडीओ सह सीओ अनूप कच्छप, कोलेबिरा काग्रिस प्रखंड अध्यक्ष राकेश कोनगाड़ी, सांसद प्रतिनिधि सुनील खड़िया, विधायक प्रतिनिधि सह काग्रिस जिला सचिव सुलभ नेल्सन डुंगडुंग, काग्रिस मंडल अध्यक्ष जोसेफ सोरेंग, कोलेबिरा पंचायत अध्यक्ष कुलदीप सोरेंग सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। प्रतियोगिता को सफल बनाने में संत जेवियर उच्च विद्यालय बरवाडीह, संत जोसेफ उच्च विद्यालय बरवाडीह और आरसी मिडिल स्कूल बरवाडीह के प्राचार्यों, उपप्राचार्यों, फादर, सिस्टर तथा शिक्षक-शिक्षिकाओं की महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

मेट्रो रेज की टीम ने बिहार के विभिन्न जिलों, विशेषकर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान एक बड़ी समस्या सामने आई कि अब भी काफी संख्या में पात्र परिवार 7 हजार रुपये की बाढ़ राहत सहायता से वंचित हैं। प्रभावित परिवार लगातार सरकार और प्रशासन से गुहार लगा रहे हैं, लेकिन उनकी समस्याओं का समाधान कब होगा, यह स्पष्ट नहीं है।

ग्रामीणों का कहना है कि जब सरकार ने सभी प्रभावित परिवारों को सहायता देने की घोषणा की है, तो फिर वंचित परिवारों को लाभार्थियों की सूची में शामिल करने में देरी क्यों की जा रही है? आखिर किन कारणों से उनकी सूची तैयार नहीं हो रही है और जिनकी सूची पहले ही भेजी जा

चुकी है, उनके खातों में अब तक राशि क्यों नहीं पहुंची है? सरकार से मांग की जा रही है कि बाढ़ प्रभावित सभी पात्र परिवारों का दोबारा सर्वेक्षण कराया जाए, छूटे हुए लाभुकों की सूची तैयार कराई जाए और बिना किसी भेदभाव के सभी के खातों में जल्द से जल्द 7 हजार रुपये की सहायता राशि भेजी जाए। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या सरकार अपने वादे को अनुरूप सभी वंचित बाढ़ पीड़ित परिवारों को राहत राशि उपलब्ध कराएंगी या फिर यह मामला भी सरकारी फाइलों में ही सिमटकर रह जाएगा? त्योहारों के बाद भी सहायता राशि का इंतजार कर रहे प्रभावित परिवारों को आखिर कब राहत मिलेगी? सरकार और प्रशासन के अगले कदम पर अब सभी की निगाहें टिकी हैं।

